राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 24 सितंबर 2024 वर्ष-7,अंक-242 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

चक्रवाती तूफान से पलटा ट्रॉलर......8 मछुआरों की मौत

कोलकाता । बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवाती तूफान के दौरान एक ट्रॉलर पलटने से उसमें सवार 9 मछुआरे फंस गए थे। इसमें से 8 मछुआरों के शव बरामद किए गए हैं, जबकि एक मछुआरा अभी भी लापता है। यह दुर्घटना एफबी गोविंदो नामक ट्रॉलर की है, इसमें 17 मछुआरे सवार थे। ये सभी हिल्सा मछली पकड़ने के लिए निकले थे, लेकिन सुंदरबन के बाघेर चार के पास ट्रॉलर अचानक डूब गया। एक विशाल लहर ने ट्रॉलर के डेक पर मौजूद 8 मछुआरों को समुद्र में बहा दिया। तीन घंटे बाद, एक अन्य ट्रॉलर के मछुआरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी जान जा चुकी थी। बचाए गए मछुआरों ने घटना की जानकारी दी। तटरक्षक बल और स्थानीय मछुआरा संगठन की मदद से रविवार दोपहर करीब 12ः30 बजे ट्रॉलर को किनारे लाया गया। मृतकों की उम्र 27 से 55 वर्ष के बीच थी, जिनमें से अधिकांश काकद्वीप के निवासी थे।

प्रसाद के लड्डू में मिलावट, इस मंदिर ने की एक अनोखी पहल

लखनऊ । आंध्र प्रदेश के विश्व प्रसिद्ध तिरूपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के लड्डू में मिलावट का असर देश के अन्य मंदिरों पर भी दिख रहा है। खबर के सामने आने के बाद भारत के कई मंदिरों ने प्रसाद को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। इस बीच उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित मनकामेश्वर मंदिर में बाजार से खरीदे प्रसाद पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन चिंताओं के जवाब में महंत दिव्यगिरि ने आधिकारिक अधिसूचना जारी कर अनुरोध किया है कि भक्त मंदिर के गर्भगृह में अनुष्ठान के लिए केवल घर का बना प्रसाद या सूखे मेवे ही लेकर आएं। तिरूपति लाडू विवाद के बाद मनकामेश्वर मंदिर की महंत दिव्यगिरि ने कहा, मंदिर में बाहर से लाया प्रसाद नहीं चढ़ाया जाएगा। भक्तों को अपने घर से तैयार प्रसाद या सूखे मेवे पुजारी को गर्भगृह में चढ़ाने के लिए देने चाहिए। यह व्यवस्था सोमवार सुबह से लागू हुई। मंदिर अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय भगवान को चढ़ाए जाने वाले प्रसाद में शुद्धता और पवित्रता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। मंदिर प्रशासन ने जोर दिया कि इस कदम का उद्देश्य भक्तों को प्रेम और भक्ति के साथ प्रसाद तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करके उनके आध्यात्मिक अनुभव को बढ़ाना है। मान्यता है कि घर का बना प्रसाद देवता के प्रति गहरे व्यक्तिगत संबंध और ईमानदारी को दर्शाता है, जो पारंपरिक प्रथाओं के साथ अधिक निकटता से जुड़ा हुआ है।

सीताराम येचुरी जैसे व्यावहारिक मार्क्सवादी हैं श्रीलंका के नए राष्ट्रपति

नई दिल्ली। श्रीलंका में वामपंथी विचारधारा वाले अनुरा कुमारा दिसानायके को राष्ट्रपति के रूप में चुना गया है। वह कट्टर वामपंथी नेता प्रकाश करात की तरह नहीं हैं, चर्चा ये भी हो रही है कि उनकी नीतियाँ सीताराम येचुरी की तरह समय के साथ बदलाव की ओर झुकाव रखती हैं। दिसानायके की सरकार भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने में सक्षम हो सकती है। भारत ने श्रीलंका के मुश्किल समय में उसका समर्थन किया है, और उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ेगा। उनकी विचारधारा अगर वामपंथ की कट्टरता से दूर रहती है, तो श्रीलंका को आर्थिक संकट से बाहर निकलने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यदि देश कट्टर वामपंथ की ओर बढ़ता है, तो उसे गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। अनुरा कुमारा दिसानायके की संतुलित और यथार्थवादी नीतियाँ श्रीलंका को आगे बढ़ाने में सहायक साबित हो सकती हैं।

बदलापुर यौन उत्पीड़न केस के आरोपी का नाटकीय एनकाउंटर !

ढाणे । बदलापुर यौन उत्पीड़न केस के आरोपी ने पुलिसकर्मी की रिवॉल्वर छीन पुलिस पर फायरिंग कर दी। इसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, उसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पिछले महीने एक पुरुष सहायक द्वारा स्कूल के शौचालय में चार साल और पांच साल की दो बच्चियों का यौन उत्पीड़न किए जाने का मामला सामने आया था। इसी पुरुष सहायक अक्षय शिंदे की मौत हुई है। पुलिस ने बताया कि अक्षय शिंदे ने पुलिस की गाड़ी में पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर पुलिस पर फायरिंग कर दी, आरोपी ने पुलिस पर कई राउंड फायरिंग की। इस फायरिंग में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। शाम 5ः30 बजे तलोजा जेल से क्राइम ब्रांच बदलापुर ले जाते समय करीब साढ़े छह बजे आरोपी ने यह वारदात की। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हुआ और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की पुष्टि ढाणे पुलिस कमिश्नर ने भी की है।

राहुल बाबा आपकी तीसरी पीढ़ी भी आ जाए.....370 वापस नहीं आएगी

शाह ने कहा, पहले हरियाणा में दामाद की सरकार

चंडीगढ़ ।

हरियाणा में चुनाव मतदान की तारीख करीब आने के साथ प्रचार तेज हो रहा है। अपनी सत्ता बचाने भाजपा पूरी ताकत लगा रही है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए सोमवार को टोहाना में चुनाव प्रचार किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि कांग्रेस दलित विरोधी है। उन्होंने कहा कि भाजपा कैसे शासन करती है, उसका सबसे अच्छा उदाहरण हरियाणा है। हरियाणा में पहले दो दलों की सरकारें आती और जाती थी। एक दल भ्रष्टाचार बढ़ता था और दूसरा आता था तब हरियाणा में गुंडागर्दी बढ़ती थी। दोनों में परिवरवाद और जातिवाद चरम सीमा पर था। पहली बार भाजपा ने पूरे हरियाणा की सरकार बनाई है। शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार आने से पहले यहां खर्ची-पर्ची के बिना नौकरी नहीं मिलती थी। लेकिन भाजपा ने हजारों युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची के पूरी पारदर्शिता के साथ भर्ती किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, दलित विरोधी पार्टी है। कांग्रेस के समय में यहां 2005 में गोहाना कांड हुआ, 2010 में मिर्चपुर कांड हुआ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने हमेशा दलित नेताओं का अपमान करती आई हैं, चाहे अशोक तंवर हो या बहन कुमारी शैलजा हो, इन सबका अपमान कांग्रेस ने किया है। भाजपा नेता ने कहा कि जब तक कांग्रेस की सरकार नहीं गई, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर को भारत रत्न नहीं मिला। जबकि भाजपा ने अंबेडकर जी की याद में पंचतीर्थ बनाए और संविधान दिवस मनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अभी-अभी राहुल गांधी अमेरिका में कह रहे थे कि विकास हो जाने के बाद आरक्षण की जरूरत नहीं है, विकास होने के बाद हम आरक्षण हटा देने वाले है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि एससी,

एसटी और ओबीसी के आरक्षण की रक्षा केवल नरेन्द्र मोदी जी कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि राहुल गांधी कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर कहते हैं कि हम धारा 370 को वापस लाएंगे, सारे आतंवादियों को छोड़ दिया जाएगा। मैं कांग्रेस नेता से कहना चाहता हूं कि राहुल बाबा आप क्या, आपकी तीसरी पीढ़ी भी आ जाए, धारा 370 वापस नहीं आएगी। ये अब इतिहास बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आपके नाना के समय धारा 370 ने कश्मीर पर सवालिया निशान लगाया था। मोदी जी ने वहां सवालिया निशान हटाने का काम किया है, अब वहां वापस नहीं आ सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के समय इन्होंने दिल्ली के दामाद को खुश करने के लिए हरियाणा के किसानों की भूमि कौड़ियों के भाव देकर बड़े-बड़े भ्रष्टाचार किए। तब हुड्डा साहब की सरकार में डीलरों और दामाद का दबदबा था। इस डीलर और दामाद वाली सरकार को समाप्त करने का काम अब भाजपा की सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि 10 साल तक हमारी सरकार ने यहां हर गांव का विकास किया है। अगले 5 साल के लिए फिर आशीर्वाद दीजिए, ऊपर मोदी जी आ गए हैं, नीचे भी भाजपा की सरकार बना दीजिए। ये डबल इंजन सरकार हरियाणा को देश का नंबर 1 राज्य बनाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय: बाल यौन शोषण सामग्री को देखना और संग्रहीत करना अपराध

नई दिल्ली।

देश के शीर्षस्थ न्यायालय ने हाल ही में बाल यौन शोषण सामग्री (बाल पोर्नोग्राफी) को देखने और संग्रहीत करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। इस फैसले में, कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को पलटा, जिसमें कहा गया था कि व्यक्तिगत उपयोग के लिए बाल पोर्नोग्राफी देखना या डाउनलोड करना अपराध नहीं है। यह निर्णय यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत कानूनों को और सख्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति का इरादा बाल पोर्नोग्राफी को साझा करने या व्यावसायिक लाभ के लिए उपयोग करने का है, तो यह पॉक्सो अधिनियम की धारा 15 के तहत अपराध माना जाएगा। इस धारा के तहत तीन अलग-अलग उपधाराएँ हैं।

उपधारा (1): यह किसी व्यक्ति के द्वारा बाल अश्लील सामग्री को हटाने, नष्ट करने या रिपोर्ट करने में विफलता को दंडित करती है।

उपधारा (2): इसमें बाल पोर्नोग्राफी के वास्तविक प्रसारण, प्रदर्शन या वितरण को दंडित किया गया है।

उपधारा (3): यह वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए बाल पोर्नोग्राफी का भंडारण या कब्जा करने को दंडित करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इंटरनेट पर बाल यौन शोषण सामग्री को देखने का कार्य, बिना भौतिक रूप से उसे डाउनलोड किए भी, कब्जा माना जाएगा, बशर्ते कि व्यक्ति ने उस सामग्री पर नियंत्रण स्थापित किया हो। अदालत ने बाल पोर्नोग्राफी शब्द की निंदा की और सुझाव दिया कि इसे बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री के रूप में संदर्भित किया जाए। यह परिवर्तन इस मुद्दे की गंभीरता को समझने में मदद करेगा।

इस निर्णय के माध्यम से, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बच्चों के संरक्षण के लिए भारत की न्याय प्रणाली कितनी संवेदनशील है। यह निर्णय न केवल कानून को मजबूत बनाता है, बल्कि समाज में बाल यौन शोषण के खिलाफ एक मजबूत संदेश भी देता है। यह अदालती निर्णय उन सभी के लिए एक चेतावनी है जो इस प्रकार के अपराधों में लिप्त हैं कि ऐसे कृत्यों को सहन नहीं किया जाएगा।

पंजाब सरकार में फेरबदल: भगत, गोयल, सौंध और मुंडिया बनेंगे मंत्री

नई दिल्ली।

पंजाब की भगवंत मान सरकार में चार विधायक मंत्री के रुप में शामिल होने जा रहे हैं। इसमें जालंधर से विधायक मोहिंदर भगत, लहरागागा से विधायक बरिंदर कुमार गोयल, खन्ना से विधायक तरुणप्रीत सिंह सौंध, और लुधियाना के सहनेवाल से विधायक हरदीप सिंह मुंडिया को मंगलवार को नए मंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। इन विधायकों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर उन्हें यह बड़ा अवसर दिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने कैबिनेट से चार मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है, और उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, कैबिनेट से जिन मंत्रियों की छुट्टी हो रही है, उनमें चेतन सिंह जौरामाजरा, बलकार सिंह, ब्रह्म शंकर जिम्पा, और अनमोल गगन मान शामिल हैं। इन मंत्रियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर हटाया जा रहा है।यह फेरबदल आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद हो रहा है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था और आतिशी को यह जिम्मेदारी सौंपी थी। अब पंजाब में भगवंत मान के साथ विचार-विमर्श के बाद कैबिनेट में ये बदलाव किए जा रहे हैं। उधर, हरियाणा में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। प्रदेश में एक ही चरण में वोटिंग होगी, और आम आदमी पार्टी बिना किसी गठबंधन के चुनावी मैदान में उतरेगी।

रेलवे कर्मचारी साबिर ने रेलवे ट्रैक पर प्लांट किए 10 डेटोनेटर

जांच एजेंसियां कर रहीं पूछताछ

बुरहानपुर ।

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में आर्मी की ट्रेन को ब्लास्ट करने की साजिश के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।साबिर नाम के आरोपी ने ही रेलवे ट्रैक पर 10 डेटोनेटर प्लांट किए थे। आरोपी साबिर खुद रेलवे कर्मचारी है। साबिर ने ऐसा क्यों किया इसकी जानकारी जांच एजेंसियां लग रही है। बुरहानपुर के नेपानगर में ट्रेन को बेपटरी करने की कोशिश वाली घटना 18 सितंबर की है। पटरी पर साबिर नाम के रेलवे कर्मचारी ने 10 डेटोनेटर लगाए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद जांच एजेंसियों में हड़कंप मच गया। इसके बाद एटीएस और एनआईए की टीम मौके पर पहुंच थी। भुसावल रेल मंडल के तहत आने वाले नेपानगर के सागफाटा स्टेशन के नजदीक का ये पूरा मामला है। जानकारी के मुताबिक, यह रेलवे के डेटोनेटर थे। इनका इस्तेमाल अक्सर फॉग के समय किया जाता है। इससे यह अंदाजा होता है कि आगे या सिग्नल अप्रोच कर रहा है या कोई ऑब्सटेकल है। इसमें आरडीएक्स या बारूद नहीं होता जिसे इनमें ब्लास्ट हो। इससे सिर्फ आवाज होती है जिससे ड्राइवर को

यह अंदेशा हो जाता है कि आगे सिग्नल अप्रोच कर रहा है या ऑब्सटेकल है। अब एटीएस ने मामले में रेलवे कर्मचारी साबिर को गिरफ्तार किया है। साबिर ने ऐसा क्यों किया इस लेकर तमाम जांच एजेंसियां पूछताछ में जुटी हुई हैं। हालांकि मामला सेना से जुड़ा होने की वजह से गोपनीयता बरती जा रही है।

ईपीएफओ से जुड़े 20 लाख नए सदस्य, श्रम मंत्री ने बताया रोजगार के अवसरों में वृद्धि

लगभग 3 लाख महिलाएं सदस्य बनीं

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई 2023 में रिकॉर्ड 19.94 लाख नए सदस्यों को जोड़ा है, जो अप्रैल 2018 में पेरोल डेटा शुरू होने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी मासिक संख्या है। इसमें 10.52 लाख शुद्ध नए सदस्य शामिल हैं, जो जून की तुलना में 2.66% और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2.43% अधिक है।

विशेष रूप से, लगभग 3.05 लाख महिलाएं जुलाई में ईपीएफओ की सदस्य बनीं, जो साल-दर-साल 10.94% की वृद्धि को दर्शाती है। कुल मिलाकर, 4.41 लाख महिला सदस्यों को शामिल किया गया, जो

पेरोल ट्रैकिंग के इतिहास में महिलाओं की सबसे बड़ी मासिक संख्या है। पिछले साल की तुलना में महिला सदस्यों की संख्या में 14.41% की वृद्धि दर्ज की गई है। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने इस वृद्धि का श्रेय रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभों के प्रति बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल आउटरीच कार्यक्रमों को दिया है। जुलाई में ईपीएफओ छोड़ने वाले लगभग 14.65 लाख सदस्य फिर से संगठन से जुड़े, जो रोजगार स्थिरता और संगठन की आकर्षण क्षमता को दर्शाता है। इस डेटा से देश में रोजगार के अवसरों में हो रही वृद्धि की झलक मिलती है, और श्रम मंत्री ने इसे देश की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

तवांग तीर्थ यात्रा में भारत की आत्मा रची-बसी हुई है

-13 वीं तवांग तीर्थ-यात्रा 19 से 25 नवंबर तक आयोजित होगी

दिल्ली ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं भारत तिब्बत सहयोग मंच के मार्गदर्शक डॉ. इन्द्रेश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित मंच तिब्बत की आजादी, कैलाश मानसरोवर की मुक्ति, हिमालय की रक्षा, पर्यवरण की सुरक्षा एवं अन्य सम-सामयिक मुद्दों को लेकर अनवरत 25 वर्षों से कार्य कर रहा है। मंच अपनी सक्रियता, कार्यक्रमों एवं जन-जागरण के माध्यम से नित नई उपलब्धियों के साथ आगे बढ़ता जा रहा है। उपलब्धियों की दृष्टि से मंच की बात की जाये तो तमाम उपलब्धियों के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, तवांग तीर्थ-यात्रा। तवांग तीर्थ-यात्रा को डॉ. इन्द्रेश जी ने वर्ष 2012 में प्रारम्भ किया था। इस वर्ष यात्रा 19 से 25 नवम्बर तक आयोजित होगी। इस बार आयोजित होने वाली 13 वीं तवांग तीर्थ-यात्रा नया इतिहास रचने के लिए तैयार है।

श्री गोयल ने कहा कि यदि तवांग तीर्थ यात्रा का निष्पक्ष रूप से विश्लेषण किया जाये तो बिना किसी लाग-लपेट के कहा जा सकता है कि इस यात्रा का उदेश्य बेहद पवित्र है। इस यात्रा को नवम्बर मास में आयोजित करने का एक ख़ास मकसद यह भी है कि दुष्ट चीन ने 20 अक्टूबर 1962 को हिन्दी चीनी भाई भाई के नारे को दरकिनार करते हुये भारत पर आक्रमण कर दिया था। इसी अरुणाचल प्रदेश में हमारे वीर सैनिकों ने अपर्याप्त संसाधनों के बावजूद चीनी सैनिको को मुहतोड़ जवाब दिया था। सैनिकों कि वीरता से घबराकर चीनी सैनिकों को पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा। सन 1962 में ही 14 नवम्बर को भारतीय संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में यह संकल्प लिया गया था कि चीन द्वारा हाथयाई गई भूमि का एक एक इंच वापस लिया जायेगा। ज़ब तक सारी भूमि वापस नहीं ले ली जायेगी तब तक चैन से नहीं बैठा जायेगा।

इस यात्रा के माध्यम से देश के हुक्ममारानों को यह याद दिलाया जाता है कि 14 नवम्बर 1962

को भारतीय संसद में लिए गए संकल्प को पूरा करने का समय आ गया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार आगे बड़े और देशवासियों को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान करें। मेरा व्यक्तिगत रूप से मानना है कि प्रत्येक भारतवासी को सूर्य की धरती के रूप में सुविख्यात अरुणाचल प्रदेश के बुमला बॉर्डर तक की यात्रा एक बार जरूर करनी चाहिए। इससे पूरे राष्ट्र को जानने एवं समझने का भरपूर अवसर मिलेगा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली भारत की छवि

(लेखक- मधुकर पवार)

> स्वच्छता को लेकर प्रशासन के साथ आम नागरिकों में भी जुनून सवार है तभी तो मध्य प्रदेश का इंदौर शहर भारत में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लेकर 7 सालों से शीर्ष पर बना हुआ है। इसमें आम नागरिकों और स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग अतुलनीय है। इंदौर को केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी स्वछतम शहर के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अन्य शहर भी इंदौर से स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर बराबर आने या इससे आगे निकलने की होड़ में शामिल होने के लिए जी तोड़ मेहनत करने लगे हैं।

इन दिनों समूचे भारत में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विशेष रूप से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, कार्यालयों, सार्वजनिक व पर्यटक स्थलों, रेलवे स्टेशनों तथा आसपास के परिसरों आदि की साफ – सफाई के लिये विशेष सफाई अभियान चलाकर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि स्वच्छता अभियान सतत चलता रहे। विगत 19 सितम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उज्जैन प्रवास पर थीं। इस दौरान उन्होंने महाकाल परिसर में झाड़ू लगाकर श्रमदान कर यह संदेश दिया कि चाहे कोई व्यक्ति कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो, स्वच्छता उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी जन आंदोलन बन गया है। मध्य प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये राष्ट्रपति ने कहा कि इंदौर ने लगातार सात बार देश का स्वछतम शहर बनने का कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल को सबसे स्वच्छ राजधानी होने का गौरव प्राप्त है। राज्य के अनेक शहर वाटर प्लस और ओडीएफ डबल प्लस की श्रेणी में पुरस्कृत हुए हैं। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का श्रेय अग्रिम पंक्ति के सफाई मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण सन 2025 तक चलेगा। इस दौरान हमें संपूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को पूरा करना है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भी राजस्थान के झुंझुनू जिला में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश के अधिकांश परिवारों में शौचालयों का नहीं होना एक अभिशाप था। इससे सबसे ज्यादा बेटियों और महिलाओं को शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी लेकिन अब स्वच्छ भारत मिशन से उनका सम्मान और गौरव बढ़ा है। यूनिसेफ के सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि उन्हें सम्मान मिला है और वे सुरक्षित महसूस करती हैं। हाल ही में एक शोध में पाया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के शुरू होने के बाद नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। शोध के निष्कर्ष में बताया गया है कि भारत में सन 2014 के बाद से हर साल 60,000 से 70,000 नवजात शिशुओं की जान बच रही है।

भारत में स्वच्छ भारत मिशन को शुरू हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। इस दौरान चरणबद्ध तरीके से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए गए स्वच्छता अभियान के सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इस अभियान से बच्चे, युवा, जवान और बुजुर्ग सभी जुड़े और यह देखते ही देखते जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गया। गांव-गांव और शहर- शहर में स्वच्छता को लेकर होड़ सी लग गई और इसके परिणाम स्वरूप गांव, जिला और प्रदेश सहित समूचे भारत में स्वच्छता की बयार बहने लगी। पूरे भारत में आम जनता की सक्रिय भागीदारी से खुले में शौच से मुक्त यानी ओडीएफ घोषित कर दिया गया। करीब 10 साल पहले स्वच्छता को लेकर हमारी मानसिकता पर जो गर्द जमी हुई थी, वह अब पूरी तरह साफ हो गई है। हमारी नजरें अब स्वच्छता के बीच केवल गंदगी पर ही जाकर टिकती है। जब चारों ओर स्वच्छता का वातावरण बन रहा है तब कहीं जरा सी भी गंदगी रहती है, वहीं हमारी नजरें ठहर जाती हैं। यह स्वच्छता को लेकर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

स्वच्छता को लेकर प्रशासन के साथ आम नागरिकों में भी जुनून सवार है तभी तो मध्य प्रदेश का इंदौर शहर भारत में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लेकर 7 सालों से शीर्ष पर बना हुआ है। इसमें आम नागरिकों और स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग अतुलनीय है। इंदौर को केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी स्वछतम शहर के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अन्य शहर भी इंदौर से स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर बराबर आने या इससे आगे निकलने की होड़ में शामिल होने के लिए जी तोड़ मेहनत करने लगे हैं। चूंकि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है और निरंतर स्वच्छता को लेकर सजग रहकर इसके विभिन्न मापदंडों के स्तर को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। अब स्वच्छता धीरे - धीरे आम नागरिकों की आदत में शामिल होने लगा है। इसी का परिणाम है कि आज स्वच्छता के मापदण्डों पर भारत की छवि एक स्वच्छ राष्ट्र के रूप में बन रही है।

भारत में सन 2014 से पहले निर्मल भारत अभियान चलाया जा रहा था जिसमें केवल शौचालय बनाना ही एकमात्र लक्ष्य था लेकिन राशि इतनी कम (मात्र 4600 रूपये) थी कि इससे किसी तरह शौचालय ही बना पाते थे। यह कार्यक्रम औपचारिकता मात्र बन कर रह गया था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की, शौचालय बनवाने के लिये राशि को बढ़ाकर 12,000 रूपये कर दिया जो शौचालय बनवाने के लिये पर्याप्त कही जा सकती है। शौचालयों के निर्माण के साथ पेयजल, स्वच्छता, पॉलिथीन मुक्त शहर - गांव आदि को भी इस अभियान में शामिल कर व्यापकता प्रदान की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाने वाले मकानों में शौचालय बनाना अनिवार्य कर दिया जिससे स्वच्छता अभियान को नया आयाम मिला और गरीबों विशेषकर महिलाओं को सम्मान। इसका परिणाम यह हुआ कि सन 2014 में जहां देश में शौचालयों का प्रतिशत करीब 40 था, जो अब बढ़कर करीब 97 प्रतिशत हो गया है। देश में 11.6 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण करके यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत खुले में शौच से मुक्त हो जाए। आज की तारीख में भारत के 50त्न गांव ओडीएफ प्लस मॉडल हो चुके हैं। भारत करीब - करीब खुले में शौच से मुक्त यानी ओ.डी.एफ. के आसपास पहुंच चुका।

स्वच्छ भारत मिशन में पेयजल उपलब्ध कराना भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश के करीब 19.24 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 13.76 करोड़ यानी 71.51 प्रतिशत परिवारों के घरों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है।

शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के साथ घर से निकलने वाले सूखे, गीले, जैव अपशिष्ट और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक अपशिष्ट के व्यवस्था शुरू करने से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। घर से निकलने वाले सभी तरह के कचरे को घर से ले जाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में माकूल व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में गीले कचरे से जैविक खाद और बायोगैस बनाई जा रही है। उज्जैन के महाकाल सहित देश के अनेक धार्मिक स्थलों में फूल, पत्तियां से अब जैविक खाद बनाने के अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। इससे धार्मिक स्थलों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो रहा है, कुछ लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और धार्मिक ट्रस्टों को आमदनी भी होने लगी है। देश में रिसायकल नहीं हो सकने वाली पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्वच्छता के लिये तीन आर यानि रिड्यूस, रियूज और रिसायकल अर्थात आवश्यकता कम करना, पुन- उपयोग करना और पुनर्चक्रीकरण पर बल दिया गया है। इस प्रयास से आम नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई दे रहा है। एक बार ही उपयोग (सिंगल यूज) में आने वाले प्लास्टिक / पोलिथीन से बने गिलास, प्लेट्स आदि का विवाह, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाए गये हैं। अनेक नगरीय निकाओं और ग्राम पंचायतों ने बर्तन बैंक बनाकर पोलिथीन मुक्त शहर / ग्राम बनाने की दिशा में अनुकरणीय पहल की है।

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है। पिछले दस वर्षों में स्वच्छता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो गया है। अब भारत की छवि स्वच्छ भारत के साथ स्वस्थ भारत के रूप में भी बन रही है। स्वच्छता को बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती है लेकिन यह असम्भव भी नहीं है।

(भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी)

संपादकीय

मोटापे की दवाएं

संसार में मोटापा एक बड़ी समस्या ही नहीं, बल्कि एक बड़े रोग की तरह फैल रहा है और ऐसे में, मोटापे की दवा खोजने में लगे वैज्ञानिकों का सम्मान सुखद व स्वाभाविक है। वैसे तो मोटापे की दवा खोजने के अभियान में अनेक वैज्ञानिकों का योगदान रहा है, पर उनमें से तीन वैज्ञानिकों को इस वर्ष के प्रतिष्ठित लास्कर पुरस्कार के लिए चुना गया है। सबसे कामयाब मोटापा-विरोधी दवाओं को विकसित करने में शामिल इन तीन वैज्ञानिकों के बारे में माना जा रहा है कि इन्हें चिकित्सा का नोबेल भी मिलेगा। आमतौर पर लास्कर पुरस्कार जीतने वाले वैज्ञानिक को ही नोबेल दिया जाता है। ये तीन सम्मानित वैज्ञानिक हैं- जोएल हेबेनर, स्वेतलाना मोजसोव और लोते बेजरे नुडसन। इनके द्वारा निर्मित दवा दरअसल ग्लूकागन- जैसे पेप्टाइड 1 (जीएलपी-1) नामक हार्मोन की नकल करती है, इससे रक्त-शर्करा के स्तर को कम करने और भूख नियंत्रित करने में मदद मिलती है। क्लिनिकल-अनुसंधान श्रेणी में लास्कर से सम्मानित इन तीनों वैज्ञानिकों को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की राशि मिलेगी। वास्तव में, बायोमेडिकल वैज्ञानिक जीएलपी-1 अनुसंधान की बढ़ती मान्यता से उत्साहित हैं। इसका मकसद शुरुआत में मधुमेह का इलाज करना था और मधुमेह के इलाज की तलाश में मोटापे की दवाएं हाथ लगी हैं। गौर करने की बात है कि मोटापा के मोर्चे पर वैज्ञानिक लंबे समय से काम कर रहे हैं। शल्य क्रिया के अलावा कुछ दवाएं भी उपलब्ध हैं, जो मोटापे को घटाने में मदद कर सकती हैं। मोटापे के खिलाफ नई कामयाबी से यह पता चला है कि जीएलपी-1 आधारित दवाएं सिर्फ मोटापे और मधुमेह का इलाज नहीं करती हैं। वे हृदय रोग, किडनी रोग के इलाज में भी मददगार हो सकती है। इन दवाओं का इस्तेमाल स्लीप एपनिया में भी हो सकता है। इधर, स्लीप एपनिया के मामले बढ़ रहे हैं, मतलब, सोते समय सांस रुक-रुककर चलने की शिकायत बढ़ रही है। वास्तव में, एक अच्छी दवा जब बनती है, तो उसका व्यापक प्रयोग या उपयोग सामने आता है। जीएलपी-1 आधारित दवाओं पर और काम करने की जरूरत है, ताकि ज्यादा सुरक्षित दवाएं लोगों तक पहुंच पाएं। वास्तव में, मोटापे पर दुनिया के अनेक वैज्ञानिक काम कर रहे हैं और तरह-तरह के शोध सामने आ रहे हैं। एक ताजा शोध से यह पता चलता है कि मोटापा भूख से जुड़े न्यूरॉन्स के आसपास आणविक जाल के निर्माण से प्रेरित होता है। यह भी पता चला है कि प्रोटीन और शर्करा के एक नेटवर्क का संचय, जिसे बाह्य कोशिकीय मैट्रिक्स कहा जाता है, इंसुलिन को भूख नियंत्रित करने वाले न्यूरॉन्स तक पहुंचने से रोकता है, इससे मोटापे को बल मिलता है। मोटापे से जुड़ी एक खबर यह भी है कि दुनिया भर में लाखों वयस्क वजन कम करने के लिए वेगोवी जैसी शक्तिशाली दवाएं ले रहे हैं, पर क्या बच्चों को भी ऐसा करना चाहिए? दरअसल, बच्चों में बढ़ता मोटापा एक बड़ी समस्या है। वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोग में पाया है कि यह दवा लेने पर मोटे बच्चों को लाभ होता है, पर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये बच्चे जब बड़े होंगे, तब उनके साथ क्या होगा। कहीं ऐसा न हो कि बच्चों को बड़े होने के बाद भारी नुकसान उठाना पड़े। आज मोटापे की दवा अपनी जगह एक बड़ी जरूरत बन गई है, लेकिन ज्यादातर चिकित्सक यही चाहते हैं कि बच्चे हों या बड़े, स्वाभाविक या प्राकृतिक प्रयासों से ही अपना मोटापा घटाएं, इसी में स्थायी हित है।

प्रतियोगिता स्थलों तक सुरक्षित पहुंचना एक चुनौती- अमित खान

> लापरवाही के चलते कितने ही बच्चों की जिंदगियां दांव पर लगा दी जाती हैं। जहां दो वाहन की जरूरत होती है, वहां एक ही वाहन में खिलाडियों को भेड़-बकरियों की तरह ठूंस-ठूंस कर भर दिया जाता है। ओवरलोडिंग वाहन में सफर न केवल बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डालता है बल्कि उनकी सुरक्षा के प्रति शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करता है। अभिभावक बड़े विश्वास के साथ बच्चों को स्कूल भेजते हैं, लिहाजा उनके विश्वास पर खरा उतरते हुए बच्चों की सुरक्षा प्रशासन और शिक्षा विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

लेखक-
अमित खान

एक सप्ताह पहले भारत माला रोड एनएच-911 पर एक कार के पलटने से एक छात्र की मौत हो गई। कार में 10 खिलाड़ी बच्चों सहित 2 शिक्षक सवार थे। ये सभी गांव 32 एमएल में हुई कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेकर कार से नई मंडी घड़साना लौट रहे थे, इसी दौरान कार ओवरलोड होने से यह हादसा हो गया। ठीक एक सप्ताह बाद गत दिवस रविवार को इस प्रकार के एक और हादसे की पुनरावृत्ति हो गई। नई मंडी घड़साना में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जा रहे छात्रों से भरा टेंपो टायर फटने से भारत माला रोड एनएच-911 पर पलट गया। इस टेंपो में 17 बच्चे सवार थे। गनीमत रही कि जिस समय हादसा हुआ, उस समय हाइवे पर वाहनों की आवाजाही कम थी, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। हादसा बीएसएफ की छावनी के सामने हुआ, तो जवानों ने समय रहते छात्रों को संभाला और चिकित्सालय भेजा। इन दोनों घटनाओं ने शासन और प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। दोनों घटनाओं से यह तो स्पष्ट हो गया है कि राजस्थान सरकार के निर्देश पर शिक्षा विभाग की तरफ से आयोजित करवाई जा रही खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों की सुरक्षा को जरा भी प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। शिक्षा विभाग की ओर से प्रतिवर्ष खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है और विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ी दूर-दराज से प्रतियोगिता स्थल पर पहुंचने के लिए मशक्कत करते हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें प्रतियोगिता स्थल पर सुरक्षित पहुंचाना किसकी जिम्मेदारी है? शिक्षा और खेल का उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना है, बल्कि उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करना है, लेकिन वर्तमान में प्रतियोगिताओं के दौरान जिस प्रकार की लापरवाही देखी जा रही है, उससे यह स्पष्ट होता है कि इस दिशा में आवश्यक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इन खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को प्रतियोगिता स्थल तक पहुंचाने के लिए विद्यालय प्रबंधन को अपने स्तर पर व्यवस्थाएं करनी पड़ती हैं। लापरवाही के चलते कितने ही बच्चों की जिंदगियां दांव पर लगा दी जाती हैं। जहां दो वाहन की जरूरत होती है, वहां एक ही वाहन में खिलाडियों को भेड़-बकरियों की तरह ठूंस-ठूंस कर भर दिया जाता है। ओवरलोडिंग वाहन में सफर न केवल बच्चों की सुरक्षा को खतरे में डालता है बल्कि उनकी सुरक्षा के प्रति शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करता है। अभिभावक बड़े विश्वास के साथ बच्चों को स्कूल भेजते हैं, लिहाजा उनके विश्वास पर खरा उतरते हुए बच्चों की सुरक्षा प्रशासन और शिक्षा विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। खेलकूद प्रतियोगिता स्थल तक विद्यार्थियों को

सकुशल पहुंचाने के लिए सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार और स्कूल प्रशासन को मिलकर मंथन करने की आवश्यकता है। अगर हम देश के कर्णधारों की सुरक्षा को गंभीरता से नहीं लेंगे तो इस तरह के समाचार, समाचार पत्रों की सुर्खियां बनते रहेंगे, घरों के चिराग बुझाते रहेंगे और हम हादसों की गिनती करते हुए अफसोस जताते रहेंगे। यह देश के भावी खिलाड़ियों ही नहीं बल्कि उनके, उनके परिवार के प्रति शिक्षा विभाग की जवाबदेही और जिम्मेदारी का सवाल भी है। भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा ना हों, इसके लिए सरकार को इस दिशा में तुरंत जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने चाहिए ताकि खेल के चक्कर में बच्चों की जान से खिलवाड़ ना हो।

(चिंतन-मनन)

वाणी का शरीर पर प्रभाव

-प्रसन्नता से होता है शरीर पुष्ट एवं प्रोध से होती है हानी

मानव शरीर में अनेक ग्रंथियां होती हैं,पियूष ग्रंथि मस्तिष्क में होती है, उससे 12 प्रकार के रस निकलते है, जो भावनाओं से विशेष प्रभावित होती हैं। जब व्यक्ति प्रसन्नचित होता है, तो इन ग्रनथियों से विशेष प्रकार के रस बहने लगते है, जिससे शरीर पुष्ट होने लगता है, बुद्धि विकसित होती है, रक्त गति सामान्य रहती है। जब मनुष्य अधिक बोलता है, तो रक्त की गति अनावश्यक प्रभावित होती है। जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है,खून के थक्के बनने लगते है । इसी प्रकार प्रोध अधिक करने से खून का बहाव कम हो जाता है, खून जमने की शक्ति बढ़ जाने से मृत्यू भी संभव है। अपने जीवन में ज्यादा बोलना अभिशाप हो सकता है। अधिक बोलने से पाचन क्रिया पर गलत प्रभाव पड़ता है, शरीर की अधिक शक्ति खर्च होती है, पेट की माँसपेशियां खिचने लगती है, पाचन रस ग्रंथियों से नही निकलता, शरीर में विटामिन, खनिज तत्व एवं हार्मोन्स की कमी हो जाती हैं। शरीर रोगी हो जाता है, मानसिक दुर्बलता आ जाती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है, याददाश्त कमजोर हो जाती है, अतत्वाणी का प्रभाव शरीर पर पड़ता है। हर प्राणी को अपना जीवन झूठा, बनावटी, जोर जोर से बोलने बाला ना बना कर शांत चित बनाना चाहिए ।

विचार मंथन

संविदा और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का सरकारी शोषण?

(लेखक- सनत)

पिछले कई दशकों से सरकार खाली पदों को नहीं भर रही है। रिक्त पदों को भरने के स्थान पर स्वीकृत पदों की कटौती कर रही हैं। सेवा निवृत्ति कर्मचारी के स्थान पर दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में संविदा के आधार पर ठेकेदारी प्रथा पर बड़ी संख्या में कर्मचारियों को रखा जा रहा है। कई सालों से दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्हें नियमित नहीं किया गया। उन्हें बहुत कम वेतन दिया जाता है। सरकारी कमर्चारियों की तरह उन्हें कोई सुविधा भी नहीं मिलती है। दैनिक वेतन भोगियों और संविदा कर्मचारी की नौकरी सुरक्षित नहीं है। दो दशक पहले दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी सरकारी विभागों में रिश्वत देकर नौकरी पाते थे। परिवार वालों को लगता था, एक बार दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति हो गई। आगे चलकर वह नियमित कर्मचारी हो जाएंगे। दो दशक से ज्यादा हो गए, अभी तक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित नहीं किया गया। सरकारें, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को दरकिनार कर देती हैं। पिछले कुछ वर्षों में केंद्रीय स्तर पर तथा राज्यों के स्तर पर बड़े पैमाने पर संविदा नियुक्ति की जा रही है। सरकारी विभागों में कार्यालयों के काम ठेके पर दिए जा रहे हैं। ठेकेदार संविदा में कर्मचारियों की नियुक्ति करते हैं। सरकार जो पैसा कर्मचारियों के लिए ठेकेदार को भुगतान करती है, उससे 30 से 40 फ़ीसदी कम पैसा ठेकेदारों द्वारा संविदा कर्मचारियों को भुगतान किया जाता है। देश भर के सभी राज्यों में लाखों लोग संविदा नियुक्त पर काम कर रहे हैं। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की संख्या भी प्रत्येक राज्य में लाखों में है। राज्य सरकारों और नगरीय निकायों और राज्य सरकारों के पद कई वर्षों से खाली पड़े हुए हैं। सरकार उन्हें कर्मचारियों को नियमित करके नहीं भर रही है। कई वर्षों से भर्ती प्रक्रिया भी बंद है। सारी सरकारी सेवाएं गड़बड़ाती चली जा रही हैं। नगरीय निकाय, कलेक्टर कार्यालय, संभागीय कार्यालय, मंत्रालय, संचालनालय, तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय सब जगह पर संविदा कर्मचारी काम कर रहे हैं। इसका खामियाजा आम आदमी और सरकार दोनों को ही भुगतना पड़ रहा है। राजस्व विभाग में जमीन के रिकॉर्ड का काम संविदा के कर्मचारी देख रहे हैं। परिवहन विभाग के लाइसेंस संविदा कर्मचारी बना रहे हैं। मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों के भरोसे है। कंप्यूटर में राजस्व रिकॉर्ड में बड़े पैमाने पर हेरा-फेरी किए जाने के समाचार रोजाना मिल रहे हैं। करोड़ों की जमीन खुर्द-बुर्द की जा रही है। संविदा कर्मचारियों के माध्यम से सरकारी कार्यालय के रिकॉर्ड को मनमाने तरीके से बदला जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की सभी सेवाएं ठेके पर चल रही हैं। आउटसोर्स में जो कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न योग्यता के अनुसार अधिकतम 10000 से 15000 रूपये के बीच प्रतिमाह भुगतान किया जा रहा है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी और संविदा कर्मचारियों से निर्धारित समय के बाद भी काम कराया जा रहा है। उसका उन्हें कोई भुगतान नहीं किया जाता। अधिकारियों द्वारा दैनिक भोगी और संविदा कर्मचारियों का लगातार आर्थिक एवं शारीरिक शोषण किया जा रहा है। उनकी सेवाएं समाप्त करने के नाम पर यह शोषण पिछले कई वर्षों से चल रहा है। सरकार से संविदा कर्मचारियों के लिए 15,000 और 20,000 रूपये प्रतिमाह का भुगतान किया जा रहा है।

लेकिन आउटसोर्स कर्मचारी को 7,000 से 10,000 रूपये का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जाता है। इन सारी गड़बड़ियों के बारे में सरकार और उनके अधिकारियों को पता है। सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों का ठेके में बड़ा कमीशन होता है, जिसके कारण दैनिक वेतन भोगी और आउटसोर्स कर्मचारियों का आर्थिक शोषण लगातार हो रहा है। पहले सरकारी विभागों में दैनिक वेतन भोगी के रूप में जो कर्मचारी काम करते थे, इस आधार पर उनकी शादी भी हो जाया करती थी। तब यह माना जाता था, कि कुछ सालों के बाद उक्त कर्मचारी नियमित हो जाएगा।

जो कर्मचारी 15-20 साल से लगातार काम कर रहे हैं, आज तक वे नियमित नहीं हुए हैं। ऐसी स्थिति में अब दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी और संविदा पर काम करने वाले कर्मचारियों की शादी भी नहीं हो पा रही है। उनकी नौकरी सुरक्षित नहीं है। 10,000 से 12,000 रूपये महीना उन्हें मिलते हैं। ऐसे में वह कैसे अपना पेट भरेंगे और कैसे परिवार को पाल पाएंगे।

टेक्नोलॉजी विकसित भारत का एक अहम स्तम्भ है: पीएम मोदी

वाशिंगटन । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने टेक कंपनियों के सीईओ के साथ राउंड टेबल बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत का मंत्र रिफॉर्म, ट्रांसफॉर्म और परफॉर्म है। टेक्नोलॉजी- डेमोक्रेसी संकट पैदा कर देता है। भारत के पास युवा भी, टेक्नोलॉजी भी है, मार्किट भी है। पीएम मोदी ने इस दौरान यह भी बताया कि कैसे भारत चीन को पछाड़ने जा रहा है। हालांकि उन्होंने चीन का नाम नहीं लिया है। पीएम मोदी ने कहा कि टेक्नोलॉजी विकसित भारत का एक अहम स्तम्भ है। भारत की स्किल, भारत की कपाबिलिटी, भारत का परफॉरमेंस में यूनिक तरीके देखते होंगे। विश्व का सबसे बड़ा युवा टैलेंट आज भारत के पास है। इन्वेस्टर के लिए या कोई भी साहस करने वाले व्यक्ति के लिए पॉलिसी स्टेबिलिटी जरुरी है। बता दें कि इस समय चीन सेमीकंडक्टर के उत्पादन करने वाले देशों में नबंर वन है। हालांकि जल्द ही भारत चीन को इस मामले में पछाड़ने जा रहा है। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों के सीईओ के साथ राउंड टेबल बातचीत में बता दिया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर में 15 बिलियन डॉलर का इन्वेस्ट करने की दिशा में भारत आगे बढ़ रहा है। चिप के बिना कोई कारोबार चलना मुश्किल है। 5जी में हम लेट थे, लेकिन आज हम नंबर 1 है। चिप और सेमीकंडक्टर के दिशा में जो बेसिक नीड की जरुरत है उसमें हम पूरी तरह तैयार हैं। आज भी दुनिया की बड़ी कंपनी के रिसर्च और इनोवेशन सेंटर भारत में हैं। मालूम हो कि अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान गूगल, एनवीडिया और 13 अन्य कंपनियों जैसे प्रौद्योगिकी दिग्गजों के प्रमुखों को संबोधित करते हुए मोदी ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक साझेदार बनने की भारत की क्षमता को रेखांकित किया और बताया कि कैसे भारत में तकनीकी प्रगति नवाचार को बढ़ावा दे सकती है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ ही 83.55 पर बंद हुआ। रुपया आज शुरुआती कारोबार में छह पैसे मजबूत होकर 83.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और प्रमुख विदेशी प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.44 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.49 प्रति डॉलर पर फिसल गया। हालांकि फिर वापसी करता हुआ 84.46 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद स्तर से छह पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.49 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 फीसदी की बढ़त के साथ 75.04 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

भारतीय रियल एस्टेट बाजार में आवास की मांग मजबूत: क्रेडाई

सिडनी । भारतीय रियल एस्टेट बाजार में आवास की मांग मजबूत बनी हुई है और इसमें मंदी की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही है। साथ ही मांग पूरा करने के लिए अधिक नई पेशकश की जरूरत है। रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष संगठन क्रेडाई के अनुसार किसी तिमाही में मकानों की बिक्री कम पेशकश की वजह से गिर सकती है, लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद बढ़ी उपभोक्ता मांग बरकरार है। क्रेडाई 23-26 सितंबर को यहां अपना प्रमुख सम्मेलन क्रेडाई नैटकॉन आयोजित कर रहा है। इसमें 1,100 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। चालू तिमाही में बिक्री में अनुमानित गिरावट के बारे में पूछे जाने पर क्रेडाई के वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सितंबर तिमाही में नई पेशकश कम रही हैं। अे धिकारी ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि कोई इन्वेंट्री नहीं है। अच्छे डेवलपर की ओर से सही स्थानों तथा आकर्षक कीमतों पर आवासीय संपत्तियों की भारी मांग है।

लीला पैलेस की मूल कंपनी ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का परिचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 5,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए। यह होटल क्षेत्र में देश का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में दाखिल आरंभिक दस्तावेजों के अनुसार कंपनी का प्रस्तावित आईपीओ 3,000 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तक प्रोजेक्ट बैलेट बैंगलोर होल्डिंग्स (डीआईएफसी) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2,000 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट द्वारा समर्थित श्लॉस बैंगलोर ने कहा कि नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने तथा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।दस्तावेजों से पता चलता है कि मार्च, 2024 तक कंपनी पर कुल 4,052.50 करोड़ रुपये का उधार था।कंपनी आईपीओ पूर्व नियोजन चरण में 600 करो

आईनॉक्स विंड ने आईसीआईसीआई बैंक नीत कंसोर्टियम से किया समझौता

नई दिल्ली । पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता आइनॉक्स विंड ने आईसीआईसीआई बैंक की अगुवाई वाले एक कंसोर्टियम के साथ 2,200 करोड़ रुपये की वित्त सुविधा के लिए समझौता किया है। आईनॉक्स विंड लिमिटेड (आईडब्ल्यूएल) ने कहा कि अग्रणी बैंक (आईसीआईसीआई बैंक) द्वारा किए गए कार्यशील पूंजी मूल्यांकन के अनुसार इस सीमा बढ़ाकर 2,400 करोड़ रुपये किए जाने की संभावना है। बयान में कहा गया है कि आईसीआईसीआई बैंक नीत बैंकों के एक समूह के साथ 2,200 करोड़ रुपये की सीमा के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। ये सीमाएं मुख्य रूप से गैर-निधि आधारित हैं। आईनॉक्स जीएफएल ग्रुप के एक मुख्य वित्त अधिकारी ने कहा कि कंसोर्टियम व्यवस्था आईडब्ल्यूएल की वित्तीय मजबूती में बैंकिंग समुदाय के विश्वास को दर्शाती है। यह पिछली कई तिमाहियों के प्रयासों का परिणाम है और कंपनी के मजबूत परिचालन प्रदर्शन तथा इसके मजबूत दृष्टिकोण से समर्थित है।

स्पाइसजेट को पात्र संस्थागत नियोजन से 3,000 करोड़ रुपये की राशि मिली

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 3,000 करोड़ रुपये की राशि मिली है। स्पाइसजेट ने इसी को लेकर कहा, क्यूआईपी 16 सितंबर को खुला और 18 सितंबर को बंद हुआ। इसमें निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया के साथ काफी अधिक लाभ मिला है। इससे कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में निवेशकों का भरोसा दिखता है। स्पाइसजेट ने कहा, 3,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अलावा उसे पिछले वित्तपोषण दौर से 736 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी मिली है। इससे उसकी वित्तीय स्थिरता तथा वृद्धि योजनाओं को भी बल मिला है। । स्पाइसजेट की ओर से कहा गया कि निवेशकों और संस्थानों की ओर से मिली मजबूत प्रतिक्रिया स्पाइसजेट की तेजी से विस्तार करने और भारत के उभरते विमानन बाजार में एक मजबूत कंपनी बनने की क्षमता में दिखती है।'' विमानन कंपनी के अनुसार इस पूंजी निवेश से एयरलाइन अपने परिचालन को मजबूत करने के साथ ही अपने बेड़े को बढ़ाने और यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। इसके आलावा यात्रियों को पहले से बेहतर सुविधाएं देने के प्रयास किये जाएंगे।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद, निफ्टी 26 हजार के करीब पहुंचा

सेंसेक्स 384 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही विदेशी निवेश बढ़ने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन 384.30 अंक करीब 0.45 फीसदी की बढ़त के साथ ही 84,928.61 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148 अंक तकरीबन 0.57 फीसदी बढ़कर 25,939.05 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,847.35 और 25,956.00 के बीच कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। इसमें एमएंडएम, एसबीआईद्ध, भारती एयरटेल, कोटक बैंक और एचयूएल जैसे शीर्ष पांच शेयर शामिल रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, एनटीपसी, एचडीएफसी बैंक, नेस्ले इंडिया, टाइटन, मारुति, रिलायंस, आईटीसी फाइनैंस, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तेजी आई। दूसरी ओर सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 11 शेयर गिरावट पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, इंफोसिस, टीसीसएस, एलएंडटी, पावर ग्रिड, सन फार्मा और जेएसडब्यू स्टील के शेयर भी नीचे आये।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल बैंक (फेड) द्वारा ब्याज दरों में की गई नीतिगत कटौती से से भी घरेलू बाजार ऊपर आया है।

इससे पहले आज सुबह बाजार के प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने सप्ताह के पहले कारोबारी दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर शुरुआत की। दुनियाभर के निवेशक इस बात पर नजर रख रहे हैं कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बड़ी दर कटौती से आई तेजी कब तक बनी रहेगी। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 151 अंक बढ़कर 84,695 पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी 50 में 84 अंकों की बढ़त, यानी 0.33फीसदी की तेजी के साथ 25,875 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशिया-प्रशांत के बाजारों में सोमवार को धीमी शुरुआत देखी गई, क्योंकि क्षेत्र के निवेशक शुक्रवार को चीन और जापान द्वारा किए गए ब्याज दरों के फैसलों को समझने में लगे रहे। इससे पहले, यूएस फेड की तेज ब्याज दर कटौती ने पिछले हफ्ते बाजारों को मजबूती दी थी। सोमवार को जापान के बाजार एक सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद है, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 0.43 फीसदी की गिरावट के साथ खुला। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.15 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जबकि हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 18,199 के स्तर पर दिखे, जो एचएसआई के पिछले बंद स्तर 18,258.57 से नीचे है।

आलू और प्याज की कीमतें बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली ।

आलू-प्याज के उत्पादन को लेकर एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिससे फिर से रसोई का खर्च बढ़ले की संभावना है। 2023-24 में भारत का बागवानी उत्पादन मामूली 0.65 फीसदी घटकर 353.19 मिलियन टन होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जून में जारी 2023-24 के दूसरे एडवांस अनुमान में बागवानी फसलों का कुल उत्पादन 352.23 मिलियन टन होने का अनुमान लगाया गया था। प्रमुख क्षेत्रों में कम पैदावार के कारण प्याज और आलू का उत्पादन 242.44 लाख टन और 570.49 लाख टन होने की उम्मीद है। अन्य सब्जियां जैसे बैंगन, रतालू और शिमला मिर्च का उत्पादन भी कम हो सकता है, जिससे इनकी कीमतों को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह खाद्य महंगाई को प्रभावित कर सकता है। भारत में अगस्त में खुदरा महंगाई 3.65 फीसदी पर पहुंच गई, जो जुलाई में 3.6 फीसदी थी। कुल सब्जियों का उत्पादन 205.80 लाख टन होने की उम्मीद है। अनुमानों से पता चला है कि टमाटर, पत्तागोभी, फूलगोभी, टैपिओका, लौकी, कद्दू, गाजर, खीरे, करेला, परवल और भिंडी के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष की कीमत वृद्धि के कारण टमाटर का उत्पादन 4.38 फीसदी बढ़कर 21.32 मिलियन टन हो गया है। रसोई में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों

की कीमतें पिछले साल आसमान छूकर 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं, जिससे किसानों को ऊंची बाजार कीमतों का फायदा उठाने की उम्मीद में खेती बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। टमाटर के उत्पादन में वृद्धि से भोजन की लागत कम करने में मदद मिली है, शाकाहारी थाली में साल-दर-साल 8 फीसदी और मांसाहारी भोजन में 12 फीसदी की कमी आई है। फलों का उत्पादनआम, केले और अन्य फलों के कारण फलों का उत्पादन 2.29 फीसदी बढ़कर 112.73 मिलियन टन तक पहुंचने की उम्मीद है।

विमानन मनोविज्ञान के लिए औपचारिक कार्यक्रमों का अभाव है: नायडू

नई दिल्ली । नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए विमानन मनोविज्ञान क्षेत्र के साथ-साथ तनाव तथा थकान से निपटने के लिए मजबूत प्रणालियों की आवश्यकता पर सोमवार को जोर दिया। उन्होंने पायलट सहित अन्य के लिए तनाव तथा थकान से निपटने के लिए मजबूत कार्यक्रमों की भी वकालत की। नायडू ने कहा कि विमानन मनोविज्ञान के लिए औपचारिक कार्यक्रमों का अभाव है। उन्नत मनोवैज्ञानिक पहलुओं को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है, क्योंकि मानवीय कारक भी विमान दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। मंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा विमान दुर्घटनाओं में मानवीय कारक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में यह टिप्पणी की। नायडू ने कहा कि सुरक्षा उपायों को भारतीय विमानन क्षेत्र की तीव्र वृद्धि के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। उन्होंने लोगों को निरंतर कौशल प्रदान करने तथा उनका कौशल बढ़ाने का आह्वान किया।

एप्पल के उत्पादों में पाई गई कई खामियां, सरकार ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली ।

टेक दिग्गज कंपनी एप्पल द्वारा बहुप्रतीक्षित आईफोन 16 सीरीज लॉन्च करने के कुछ ही दिनों बाद, भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी-इन) ने एप्पल के विभिन्न उत्पादों में पाई गई कई कमजोरियों को लेकर हाई सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत साइबर सिक्योरिटी की निगरानी करने वाली संस्था सीआईआरटी-इन ने चेतावनी दी है कि इन कमजोरियों का उपयोग हैकर्स द्वारा न केवल संवेदनशील जानकारी तक पहुंचने के लिए किया जा सकता है, बल्कि इसके जरिए वे टारगेट किए गए डिवाइस पर मनमाना कोड रन कर सकते हैं, सुरक्षा प्रतिबंधों को बाईपास कर सकते हैं, डिनायल ऑफ सर्विस जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं, ऑथेंटिकेशन फीचर्स को छका कर पिछले दरवाजे से डिवाइस का एक्सेस प्राप्त कर सकते हैं, एडवांस विशेषाधिकार प्राप्त कर सकते हैं और लक्षित सिस्टम पर स्पूफिंग हमले कर सकते हैं। सीईआरटी-इन का कहना है कि इन कमजोरियों को एप्पल द्वारा जारी लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट में ठीक कर दिया गया है। एडवाइजरी में आईओएस, आईपेडओएस, मेओएस, टीवीओएस यूजर्स को सतर्क करते हुए सलाह दी गई है कि वे जोखिमों को कम करने के लिए अपने ऐपल डिवाइस पर लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट को तुरंत इंस्टॉल करें। साथ ही, यूजर्स को अपने डिवाइस पर किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रखने और उचित साइबर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है।

अडाणी पावर भारत में बिजली बेचने बना रही बैकअप प्लान

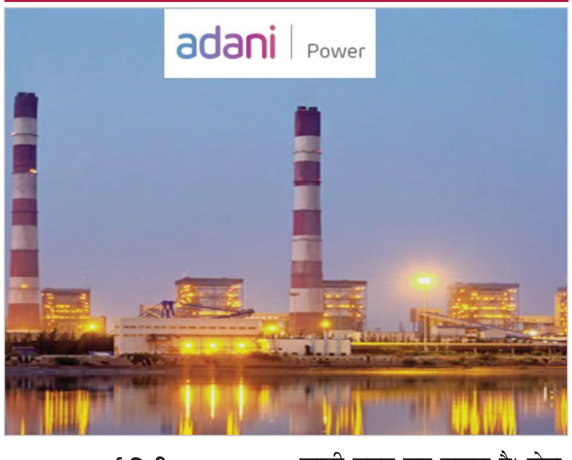

नई दिल्ली ।

अडाणी पावर भारत में बिजली बेचने के लिए बैक-अप प्लान की तैयार कर रही है। इसी मकसद से कंपनी झारखंड के गोड्डा में अपने 1600 मेगावाट के थर्मल प्लांट, जो बांग्लादेश को अपनी पूरी उत्पादित बिजली की आपूर्ति करता है, को बिहार के लखीसराय में एक सबस्टेशन के माध्यम से भारतीय ग्रिड से जोड़ रहा है और इसके लिए कंपनी को मंजूरी मिल गई है। इस मामले में अडाणी पावर लिमिटेड ने कहा कि यह कनेक्शन तभी चालू होगा जब इसकी सहायक कंपनी, अदानी पावर झारखंड लिमिटेड 130 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन और सबस्टेशन पर अतिरिक्त बे का निर्माण करेगी। इस प्रक्रिया में काफी समय लग सकता है। गोड्डा प्लांट से 30 किलोमीटर दूर बांका में एक करीबी सबस्टेशन के अंतरिम लिंक के जरिए भारतीय ग्रिड से जल्द कनेक्शन के लिए एपीजेएल के अनुरोध को नेशनल ट्रांसमिशन प्लानिंग अथॉरिटी, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 21 अगस्त को तकनीकी बाधाओं का हवाला देते हुए खारिज कर दिया था। बता दें कि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के रूप में मोहम्मद यूनुस के शपथ लेने के दो दिन बाद, पावर मिनिस्ट्री ने 10 अगस्त को बांग्लादेश में उभरते भूराजनीतिक तनाव और बकाया भुगतान का हवाला देते हुए अडाणी पावर के गोड्डा प्लांट के लिए भारतीय ग्रिड से कनेक्टिविटी की सिफारिश की थी।

यूरोपीय संघ के देशों में ईवी कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज

नई दिल्ली ।

बीते साल अगस्त 2023 में यूरोपीय संघ के देशों में कारों की बिक्री में बडी गिरावट दर्ज की गई। बिक्री में 18.3प्रतिशत की गिरावट आई है, जो पिछले तीन वर्षों में सबसे निचला स्तर है। जानकारी के मुताबिक, इस गिरावट का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में कमी है, जबकि विश्वभर की सरकारें स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान कर रही हैं।

जर्मनी, फ्रांस और इटली जैसे प्रमुख बाजारों में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री लगातार चौथे महीने घट रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में इस गिरावट ने यूरोपीय ऑटोमोबाइल निर्माता संघ (एसीईए) को तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता महसूस करवाई है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में अगस्त में 43.9प्रतिशतकी कमी आई, जिसमें जर्मनी में 68.8प्रतिशत और फ्रांस में 33.1प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। प्लग-इन इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री भी 22.3प्रतिशत कम हुई है। प्रमुख कार निर्माता कंपनियों जैसे फॉक्सवैगन, स्टेलेंटिस और रेनॉ की बिक्री में क्रमशः 14.8प्रतिशत, 29.5प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत की कमी आई है। सोसायटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में कुल 23,023 इलेक्ट्रिक कारें बिकीं, जबकि दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा घटकर 10,939 यूनिट्स पर पहुंच गया। इस स्थिति ने स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को संदेह के घेरे में ला दिया है।

आईपीओ से 500 करोड़ जुटाएगी लीला होटल की पेरेंट कंपनी

नई दिल्ली।

लीला पैलेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स का परिचालन करने वाली कंपनी श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी 5,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है, जो होटल क्षेत्र में देश का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। श्लॉस बैंगलोर के आईपीओ में 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और 2,000 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। यह बिक्री प्रवर्तक कंपनी प्रोजेक्ट बैलेट बैंगलोर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की जाएगी। ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट द्वारा समर्थित श्लॉस बैंगलोर लिमिटेड ने कहा है कि नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी और उसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

मार्च 2024 तक कंपनी पर 4,052.50 करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए यह आईपीओ लाया जा रहा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा कंपनी के वित्तीय पुनर्गठन और विस्तार की योजनाओं में उपयोग किया जाएगा।

आईपीओ पूर्व नियोजन चरण में कंपनी 600 करोड़ रुपये जुटाने पर भी विचार कर रही है। यदि ऐसा होता है, तो नए निर्गम का आकार कम हो सकता है, जिससे कुल जुटाई जाने वाली राशि में बदलाव हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की

दुबई (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश पर 280 रन की जीत के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली जबकि श्रीलंका ने गॉल में न्यूजीलैंड को हराकर लार्ड्स में अगले साल होने वाले फाइनल के लिए अपना दावा मजबूत किया। श्रीलंका अपने मौजूदा प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचा है। चेन्नई में जीत और 12 डब्ल्यूटीसी अंक के साथ भारत ने 71.67 प्रतिशत अंक के साथ तालिका के शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया (62.50 प्रतिशत अंक के साथ दूसरे स्थान पर) पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला 2-0 से जीतकर चौथे स्थान पर पहुंचा बांग्लादेश (39.29 प्रतिशत अंक) इस हार के बाद छठे स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश ने चौथे दिन भारत के 515 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 158 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान नजमुल हुसैन शंटो और शाकिब अल हसन ने कुछ देर हार को टाला लेकिन रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की भारत की स्पिन जोड़ी ने मात्र 40 रन देकर शेष छह विकेट चटका दिए।

अश्विन को पहली पारी में शानदार शतक जड़ने और दूसरी पारी में छह विकेट लेने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। गॉल में जीत के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे श्रीलंका के पास 2025 के फाइनल में जगह बनाने के लिए 2023 डब्ल्यूटीसी के फाइनलिस्ट भारत और ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देने का सबसे अच्छा मौका है। गॉल में न्यूजीलैंड पर 63 रन की जीत श्रीलंका की आठ मैचों में चौथी जीत है जिससे उनके 50 प्रतिशत अंक हो गए हैं।

श्रीलंका की टीम मौजूदा चक्र में अब अधिकतम 69.23 प्रतिशत अंक हासिल कर सकती है जो उसे अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होगा। टीम को इसके लिए न्यूजीलैंड को एक बार फिर हराना होगा और फिर दक्षिण अफ्रीका तथा ऑस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ करना होगा। भारत को डब्ल्यूटीसी चक्र में अभी नौ टेस्ट और खेलने हैं और उसकी नजरें लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने पर टिकी हैं। भारत पिछले दो सत्र में उपविजेता रहा था जब उसे न्यूजीलैंड (2020) और ऑस्ट्रेलिया (2022) के खिलाफ फाइनल में हार झेलनी पड़ी।

रोहित शर्मा के नाम हुआ ये खास रिकॉर्ड, विराट कोहली और सौरव गांगुली भी नहीं कर पाए ऐसा

जॉर्जिया (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ चेन्नई टेस्ट को जीतकर भारत ने कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किए हैं। वहीं पिछले 12 सालों से घर पर सीरीज जीतने के सिलसिले को भी बरकरार रखा। इसी के साथ रोहित शर्मा के नाम एक ऐसा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है जो आज तक कोई भारतीय नहीं कर पाया। विराट कोहली और सौरव गांगुली को अपनी कप्तानी के कार्यकाल में एक-एक बार ऐसा करने का मौका मिला था, मगर वह भी चूक गए थे।

चेन्नई टेस्ट में बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बैटिंग करने का न्यौता दिया था। टीम इंडिया ने अश्विन के शतक के दम पर 387 रन बोर्ड पर लगाए थे। इसके जवाब में मेहमान टीम पहली पारी में 149 रन पर ढेर हो गई थी। पहली पारी में भारत को 227 रनों की बढ़त मिली और टीम इंडिया ने दूसरी पारी 287 रनों पर घोषित कर दी। भारत बांग्लादेश के सामने जीत के लिए 515 रनों का टारगेट रखा था जिसके जवाब में मेहमान टीम 234 रनों पर ढेर हो गई। भारत ने 280 रनों से इस मुकाबले को अपने नाम किया।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब घर पर खेलते हुए विपक्षी टीम ने टॉस जीता और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मैच जीता हो। इससे पहले 8 बार विपक्षी कप्तानों ने भारत को घर पर पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया था लेकिन टीम एक बार भी जीत नहीं पाई।

भारत इस दौरान 2 बार हारा था, वहीं 6 मुकाबले ड्रॉ रहे थे। आखिरी बार 2017 में श्रीलंकाई कप्तान ने भारत को घर पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का न्योता दिया था। कोहली की कप्तानी में भारत ने वो मुकाबला ड्रॉ खेला था। वहीं, गागुंली की कप्तानी में 2001 में ऐसा हुआ था और उस दौरान टीम ऑस्ट्रेलिया से हारी थी।

स्टार शटलर पीवी सिंधु को नए कोच की तलाश, रिटायमेंट नहीं बल्कि ये है भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी का अगला लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार शटलर पीवी सिंधु पेरिस ओलंपिक में भले ही मेडल नहीं जीत पाई हों लेकिन उनका अगल लक्ष्य तय हो चुका है। दरअसल, सिंधु ने 2016 के रियो ओलंपिक में सिल्वर और 2021 के टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। पेरिस ओलंपिक में पहली बार ऐसा हुआ जब पीवी सिंधु बिना मेडल के देश लौटीं। उनका सफर क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो गया। वहीं अब सिंधु को अपने नए कोच की तलाश है।

29 वर्षीय सिंधु लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक 33 की हो जाएंगे। बैडमिंटन जैसे खेल में 33 की उम्र में ओलंपिक मेडल जीतना आसान नहीं होता। सिंधु का अगल ओलंपिक खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करता है। हालांकि, उनका अगल लक्ष्य एशियन गेम्स 2026 है। वह इसके लिए नया कोच तलाश रही हैं और उन्होंने बेंगलुरु छोड़ हैदराबादा लौटने का फैसला भी किया है।

फिलहाल, पीवी सिंधु के पिता पीवी रमन ने इंडिया एक्सप्रेस को बताया कि उनकी बेटी अब कुछ समय तक अनूप श्रीधर के साथ ट्रेनिंग करेंगी। साथ ही उन्होंने बताया कि, सिंधु ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद के गाचीबावली स्टेडियम लौट आई हैं। अभी कोई कैंप नहीं चल रहे हैं इसलिए हैदराबाद में ट्रेनिंग शुरू कर दी है। वह सीजन के शुरुआत अर्कटिक ओपन से करेगी।

चेन्नई टेस्ट : क्या है ब्लैक स्ट्रैप तकनीक, शाकिब अल हसन ने किया था उपयोग

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। चेन्नई टेस्ट के दौरान बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन को बल्लेबाजी करते समय अपनी गर्दन पर लिपटी ब्लैक स्ट्रैप को दांतों में दबाव हुए देखा गया। यह क्रीज पर रहते हुए सिर की सही स्थिति बनाए रखने के उनके प्रयास का हिस्सा था। शाकिब के गुरु मोहम्मद सलाहुद्दीन और बीसीबी के मुख्य चिकित्सक डॉ. देबाशीष चौधरी ने बताया कि गेंद खेलते समय अपने सिर को गिरने से बचाने के लिए शाकिब ने खुद ही यह तंत्र तैयार किया था। पहले उन्होंने इसी उद्देश्य के लिए नेक ब्रेस का उपयोग किया था।

शाकिब की सिर-स्थिति संबंधी समस्याएं पिछले साल निदान की गई आंख की बीमारी के कारण उत्पन्न हुई हैं। चेन्नई, लंदन, ढाका और सिंगापुर के नेत्र रोग विशेषज्ञों ने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें सेंट्रल सीरस कोरियोरेटिनोपैथी (छ्रष्ट) है, एक ऐसी स्थिति जिसके कारण रेटिना के नीचे तरल पदार्थ जमा हो जाता है, जो दृष्टि को विकृत कर सकता है। उचित तकनीक बनाए रखते हुए गेंद पर अच्छी नजर बनाए रखने के लिए शाकिब ने अपने सिर की स्थिति को सही करने के लिए कई घंटे समर्पित किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार शाकिब के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. चौधरी ने कहा कि वह इस स्ट्रैप के साथ आए हैं। यह पूरी तरह से उनका विचार है। यह हमसे नहीं आया है। वह बल्लेबाजी करते समय अपने सिर की स्थिति को बनाए रखने के तरीके पर काम कर रहे हैं। चेन्नई ने पुष्टि की कि उनकी आंख में सुधार हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि वह पहले नेक ब्रेस के साथ इसे प्रबंधित करने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए यह स्ट्रैप चीज़ भी परीक्षण-और-त्रुटि चरण में है। उन्होंने इसे नेट्स में आजमाया है। उन्होंने इसके साथ बहुत सारी छाया (छाया बल्लेबाजी अभ्यास) की है भी।

बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच डेविड हेम्प ने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिसे शाकिब पिछले कुछ महीनों में कई बार अभ्यास के दौरान इस्तेमाल कर रहे हैं। वह पट्टा का उपयोग करने में बहुत सहज हैं और उन्हें लगता है कि यह उनके सिर की स्थिति में सहायता करता है। मई में एक इंटरव्यू शूट के दौरान शाकिब को अक्सर अपने बैटिंग स्टांस का अभ्यास करते हुए देखा गया था। यह उनकी आंखों की स्थिति को देखते हुए सिर की इष्टतम स्थिति निर्धारित करने के उनके प्रयास का हिस्सा था।

शाकिब ने हाल ही में चेन्नई में अपने नेत्र विशेषज्ञ से सलाह ली, जिन्होंने उन्हें बताया कि उनकी आंख की स्थिति में सुधार हो रहा है। सलाहुद्दीन ने कहा कि हम सभी की एक आंख प्रमुख होती है, इसलिए जब इससे उन्हें गेंद देखने में परेशानी हो रही है, तो यह समस्याग्रस्त हो सकता है। सलाहुद्दीन शाकिब को अपने सिर की स्थिति को सही करने के लिए रबर स्ट्रैप विधि का उपयोग करते हुए देखकर प्रसन्न हुआ। मुझे लगता है कि यह उसके लिए अच्छा है। मैंने उसे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। उसके मन में यह विचार आया, वह मुझे कल रात फोन पर बता रहा था। वह इसे अपनी गर्दन के चारों ओर बांधता है, और इसे काटने से अनुमति मिलती है उसे अपनी गर्दन और सिर को स्थिर रखना होगा, जब सिर और गर्दन हिलते हैं, तो आंखें भी हिलती हैं, जो एक बल्लेबाज के लिए आदर्श नहीं है। उन्होंने कहा कि यह उनकी निजी बात है। वह समझेंगे कि यह उनके लिए काम कर रहा है या नहीं। मुझे लगता है कि जब तक यह स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा नहीं करता, तब तक यह ठीक है। शाकिब की आंख की हालत के कारण वह इस साल बीपीएल और श्रीलंका के खिलाफ बांग्लादेश के सफेद गेंद वाले मैचों के दौरान कुछ मैचों से चूक गए थे।

तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर करेगी आरसीबी !

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम नये रुप में नजर आ सकती है। आरसीबी से तीन बड़े विदेशी खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। ये तीन खिलाड़ी हैं। कप्तान फाफ डु प्लेसिस, ऑलरांउडर कैमरन ग्रीन और ग्लेन मैक्सवेल। इन तीनो का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा था। आईपीएल 2025 सत्र के लिए इस साल के अंत में नीलामी होगी। आरसीबी आज तक खिताब नहीं जीत पायी है। ऐसे में अब उसका लक्ष्य नये खिलाड़ियों को शामिल करना रहेगा। ग्लेन मैक्सवेल - मैक्सवेल को पिछले सत्र में 12.25 करोड़ रुपये में खरीदा गया था पर उन्होंने पूरे सत्र में केवल 52 रन ही बनाए थे। वहीं गेंदबाजी के दौरान केवल 6 विकेट लिए। वह अंतिम ग्यारह मे अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाये। फॉफ डुप्लेसिस - टीम इस बार मेगा नीलामी से पहले डुप्लेसिस को भी बार कर सकती है। आरसीबी ने फाफ डुप्लेसिस को आईपीएल मेगा नीलामी में 7 करोड़ रुपये में शामिल किया था। उन्होंने पिछले सत्र में टीम की कप्तानी की थी। डुप्लेसिस अब 40 की उम्र के करीब पहुंव गये हैं और ऐसे में उनकी जगह भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कप्तानी मिल सकती है।

अश्विन ने वार्न के रिकार्ड की बराबरी की, दिग्गज खिलाड़ी के क्लब में जगह बनायी

चेन्नई। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने बांग्लादेश के खिलाफ हुए पहले टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी के साथ ही दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न के एक रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। अश्विन ने इस मैच में शतक लगाने के साथ ही दूसरी पारी में छह विकेट लिए थे। इसी के साथ ही उन्होंने 37वीं बार पांच से अधिक विकेट लेने के वार्न के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली है। अश्विन अब सबसे अधिक उम्र में पांच विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी गए हैं। इससे पहले पारी में शतक के साथ ही पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में पूर्व दिग्गज इयान बॉथम, गैरी सोबर्स, मुश्ताक मोहम्मद, जैक्स कैलिस के अलावा वर्तमान में खेल रहे शाकिब अल हसन, रवींद्र जाडेजा हैं। अश्विन कहा, ‘मैं जब भी चेन्नई में आकर खेलता हूं तो यहां मुझे बेहद अच्छा लगता है। मैंने यहां काफी क्रिकेट देखा और खेला है। मैंने पहले दिन अच्छी बल्लेबाजी की और इसके बाद दूसरी पारी में विकेट लिए यह एक विशेष अनुभव है। मैं गेंदबाज होने के कारण उसी तरह सोचता हूं पर बल्लेबाजी के दौरान उसपर ध्यान रखता हूं।

जयसूर्या के 5 विकेट, श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में हराया

अनंतपुर (एजेंसी)। गॉल - बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या के दूसरी पारी में पांच विकेट और मैच में नौ विकेट की मदद से श्रीलंका ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट में न्यूजीलैंड को 63 रन से हरा दिया। श्रीलंका के 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को अंतिम दिन जीत के लिए 68 रन की दरकार थी जबकि उसके सिर्फ दो विकेट शेष थे।

मेहमान टीम ने हालांकि 3.4 ओवर में चार रन जोड़कर अपने बाकी बचे दो विकेट भी गंवा दिए और उसकी पारी 211 रन पर सिमट गई। कल के नाबाद बल्लेबाज रचिन रविंद्र (92) अपने स्कोर में सिर्फ एक रन और जोड़कर जयसूर्या की गेंद पर पगबाधा हो गए। रविंद्र ने 168 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का मारा। जयसूर्या ने अगले ओवर में विलियम ओरोर्के को खाता खोले बिना बोल्ड करके श्रीलंका को जीत दिलाई और टेस्ट क्रिकेट में आठवीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए।

रविंद्र शतक से चूक गए लेकिन उनके 92 रन गॉल में न्यूजीलैंड की ओर से सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। उन्होंने रोस टेलर को पीछे छोड़ा जिन्होंने 86 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने गॉल में अपने पांचों टेस्ट गंवाए हैं और इस दौरान उसका कोई बल्लेबाज शतक नहीं लगा पाया। इस जीत से श्रीलंका विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। वह भारत और ऑस्ट्रेलिया से पीछे है। श्रृंखला की शुरुआत तीसरे स्थान पर करने वाला न्यूजीलैंड चौथे स्थान पर खिसक गया है।

इससे पहले श्रीलंका के पहली पारी में 305 रन के जवाब में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 340 रन बनाए थे। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 309 रन का स्कोर खड़ा करके मेहमान टीम को 275 रन का लक्ष्य दिया। दो मैच की श्रृंखला का दूसरा और अंतिम टेस्ट बृहस्पतिवार से गॉल में ही खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 2009 से पहली टेस्ट श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। तब से दोनों टीम के बीच छह श्रृंखलाएं हुई हैं जिसमें से न्यूजीलैंड ने चार जीती जबकि दो बराबरी पर छूटीं।

शतरंज ओलंपियाड : हमें खिताब जीतना ही था : तानिया सचदेव

बुडापेस्ट। भारतीय महिला टीम की सीनियर खिलाड़ी तानिया सचदेव ने रविवार को 45वें शतरंज ओलंपियाड में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा कि उन्हें खिताब हासिल करना ही था। तानिया सचदेव, हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली रमेशबाबू, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल की भारतीय टीम ने कोच अभिजीत कुंटे के साथ मिलकर अंतिम दौर में अजरबेजान को 3.5-0.5 से हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया। सचदेव ने ‘चेस डॉट कॉम’ से कहा कि मैं अभी बहुत अभिभूत हूं। हमने ओपन वर्ग और महिला वर्ग में जो कुछ भी किया है, मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो मुझे लगता है कि यही वह क्षण था जिसके लिए हम बने थे।’ भारतीय महिलाओं ने 2022 चरण में कांस्य पदक जीता था। ग्रैंडमास्टर वैशाली ने कहा, ‘मुझे अब भी पिछला साल याद है, हम आखिरी दौर में हार गए थे। मैं कल रात उन चीजों के बारे में सोचकर सो नहीं पाई थी लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि हम एकजुट होकर खेले। फिडे इंटरनेशनल मास्टर और जीएम सचदेव ने कहा कि मुझे लगता है कि पिछली बार बहुत मुश्किल रहा था। मैं अब बहुत खुश हूं। जीएम हरिका ने कहा कि वह आखिरकार 20 साल बाद अपने सपने को पूरा करने में सफल रहीं। उन्होंने कहा कि मैं 20 साल पहले 13 साल की उम्र में ओलंपियाड में पदक जीतने के सपने के साथ आई थी और आखिरकार आज यह पूरा हुआ। हरिका ने कहा कि इस टूर्नामेंट के दौरान मेरे लिए यह उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा और मुझे खुशी है कि लड़कियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। आखिरकार हम सभी एक टीम के रूप में आगे आए और हमने आखिरी गेम जीता। दिव्या देशमुख ने कहा कि टीम अपनी जीत के बाद लंच के लिए जाएगी जबकि आईएम और जीएम वंतिका अग्रवाल ने जीत हासिल करने पर राहत जताई।

बासित अली ने भारतीय तेज गेंदबाजों की तारीफ की, अकरम-अख्तर-यूनिस से की इन तीनों की तुलना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय गेंदबाजी इकाई की विशेष प्रशंसा की और युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में खेलते हुए देखने की इच्छा जताई। भारत ने चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच एक दिन से अधिक समय पहले ही जीत लिया। 280 रनों की आसान जीत स्टार-स्टडेड लाइन-अप में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी के ऑलराउंड प्रदर्शन का मिश्रण थी।

पहली पारी में जसप्रीत बुमराह (4/50), मोहम्मद सिराज (2/30) और आकाश दीप (2/19) की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने बांग्लादेश के बल्लेबाजों को 149 रन पर ढेर कर दिया। बुमराह ने पहली पारी में नियंत्रण दिखाया और चार विकेट लिए। आकाश ने आकर्षक स्पेल में शुरुआत में ही बढ़त बना ली और सिराज ने परेशानी खड़ी करने के लिए अपनी निरंतरता पर भरोसा किया।

तेज गेंदबाजों से प्रभावित होकर बासित ने भारत की ‘प्रभावशाली’ गेंदबाजी की सराहना की और तेज गेंदबाजों की तुलना पाकिस्तान के दिग्गज वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस से की। बासित ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ‘भारतीय गेंदबाजी इकाई इतनी प्रभावशाली है कि वे वसीम अकरम, शोएब अख्तर और वकार यूनिस जैसे तेज गेंदबाजों के बराबर हैं। अभी मोहम्मद शमी नहीं खेल रहे हैं।’

स्थापित मुख्य खिलाड़ी बल्लेबाजों को अपनी धुन पर नचा रहे हैं, वहीं उभरते युवा तेज गेंदबाज चमकने के मौके का चुपचाप इंतजार कर रहे हैं। 2024 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में एक और तेज गेंदबाज सामने आया। दिल्ली के इस तेज गेंदबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया। युवा तेज गेंदबाज ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी और आईपीएल 2024 की सबसे तेज और टूर्नामेंट के इतिहास की चौथी सबसे तेज गेंद फेंकी।

इस बार ऑस्ट्रेलिया के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की संभावना : ग्रीन

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 2014-15 के बाद पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की उम्मीद कर रही है। इसका कारण है कि टीम की तैयारियां अच्छी हैं। ग्रीन भी इसमें अपनी ओर से अधिक से अधिक योगदान देना चाहते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से उत्साहित हैं और अब उनका लक्ष्य इसी प्रकार का प्रदर्शन भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में करना रहेगा। भारतीय टीम के हाथों पिछले एक दशक में उसे हर बार इस सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ग्रीन ने कहा, ‘मैं इस सीरीज में जितना संभव हो उतना अधिक योगदान देना चाहता हूं। मैं ऐसा करने के लिए शारीरिक रूप से वास्तव में बहुत अच्छी स्थिति में हूं। इस ऑलराउंडर ने कहा, ‘मैं और मिचेल मार्श हमेशा इस बात को लेकर बात करते हैं कि 70वें और 80वें ओवर के बीच जब गेंद कुछ नहीं कर रही होती है तो उन ओवरों में कौन गेंदबाजी करेगा। ऐसे में हम इन ओवरों में गेंदबाजी के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा, ‘अभी मैं शारीरिक रूप से बहुत अच्छी स्थिति में हूं और मुझे लगता है कि मैं गेंदबाजी में अपना योगदान दे सकता हूं। अभी मैं एक अदद ऑलराउंडर बनकर खुश हूं।

इस मैदान में कोई ऐसी ऊर्जा है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है : यादगार प्रदर्शन पर बोले अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविचंद्रन अश्विन ने हाल ही में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया और रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत को 280 रनों से जीत दिलाई। पहली पारी में ऑलराउंडर ने घरेलू मैदान पर अपना दूसरा टेस्ट शतक लगाया और फिर 6-88 के आंकड़े के साथ भारत को दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिलाई। अश्विन की इस दोहरी उपलब्धि ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान दिलाया। हालांकि, अनुभवी ऑफ स्पिनर ने अपनी पत्नी प्रीति नारायणन, दो बेटियों और घरेलू दर्शकों के सामने शानदार प्रदर्शन करने के लिए चेपक की ‘ऊर्जा’ को श्रेय दिया।

अश्विन ने बीसीसीआई टीवी पर प्रीति को दिए इंटरव्यू में कहा, ‘मुझे नहीं पता कि इस पर क्या प्रतिक्रिया दूं, क्योंकि पहले दिन कुछ ऐसा हुआ जो बहुत जल्दी हुआ। मुझे उम्मीद नहीं थी कि मैं यहां बल्लेबाजी करने आऊंगा और शतक बनाऊंगा। मैंने काफी समय से बल्लेबाजी नहीं की थी। यह बहुत अच्छा लगता है। हर बार जब मैं यहां आता हूं तो यह खास लगता है। मुझे नहीं पता कि इस मैदान में कोई ऐसी ऊर्जा है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।’

क्या आपको लगता है कि इस ऊर्जा (उनका जिक्र करते हुए) ने आपकी ऊर्जा में कुछ इजाफा किया है, अश्विन बेटी दिवस के अवसर पर बच्चों को क्या उपहार देंगे? क्रिकेटर ने जवाब दिया, ‘मैं उन्हें वह गेंद दूंगा जिससे मैंने पांच विकेट लिए थे। प्रीति शिकायत करती रही कि मैंने उसे पहले दिन नहीं देखा। अश्विन ने कहा, ‘मैंने नहीं देखा। मेरे लिए जब मैं खेल रहा होता हूं तो परिवार का ख्याल रखना बहुत मुश्किल होता है। खेल के बीच में मैं सचेत प्रयास करता हूं क्योंकि बच्चे हमेशा मुझसे पूछते हैं, ‘तुमने नमस्ते क्यों नहीं कहा।’

प्रीति ने कहा, ‘मैं यहां बचाव करना चाहूंगी। मैं हमेशा नमस्ते नहीं कहती। जब आप 9 से 5 बजे तक सीट पर बैठते हैं और मैं देखती हूं कि राज मेरी तरफ हाथ हिला रहा है जैसे कि मैंने दो दिन बनाए हों। लेकिन बधाई। चेन्नई में दूसरा शतक और पांचवां विकेट। बच्चे यहां हैं, उन्होंने वाकई बहुत अच्छा समय बिताया। एक बेहतरीन रविवार की सुबह, मौसम भी बढ़िया रहा।’ अश्विन ने अपनी पत्नी के समर्थन और उनके लिए भाग्यशाली होने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ‘वहां रहने और मुझे शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद।’

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यह सच है कि खूबसूरती ईश्वर की देन है, पर उसे उभारना भी है एक कला। किस तरह का मेकअप आपको सूट करेगा, इसके लिए जरूरी है चेहरे के आकार को समझना

अब मिनटों में करें मेकअप

फाउंडेशन आपकी स्किन टोन से एकदम मेल खाता हुआ होना चाहिए। अधिक गहरा या अधिक हलका आपके कॉम्प्लेक्शन को खराब कर सकता है। साथ ही अच्छी तरह ब्लेंड होना भी जरूरी है। चेहरे पर ग्लो लाने के लिए फाउंडेशन लगाने से पहले शिमर मॉयस्चराइजर लगाएं। या फिर थोड़ा सा शिमर पाउडर मॉयस्चराइजर में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर फाउंडेशन लगाएं।

कंसीलर- पर्याप्त नींद न ले पाने, धूम्रपान अधिक करने और एनीमिक होने के कारण आंखों के आसपास काले घेरे हो जाते हैं। इन्हें छिपाने के लिए कंसीलर का प्रयोग करें। यह चेहरे के किसी भी दोष को छिपाने में मदद करता है। अपनी अंगुली के पोर पर हलका सा कंसीलर लेकर चेहरे पर लगाएं। या फिर किसी मुलायम फ्लैट ब्रश पर लें और प्रभावित स्थान पर अच्छी तरह लगाएं।

अगर आपकी त्वचा रूखी है, तो आपको लिक्विड कंसीलर इस्तेमाल करना चाहिए।

एक्ने और दाग-धब्बों को छिपाने के लिए सॉलिड कंसीलर ठीक रहता है। अगर आप लिक्विड या क्रीम बेस्ड फाउंडेशन प्रयोग कर रही हैं तो फाउंडेशन के बाद कंसीलर लगाएं। क्रीम टू पाउडर फाउंडेशन लगाने पर कंसीलर पहले लगाएं। अपनी त्वचा के रंग से हलका शेड कभी न चुनें। ऐसा करने पर आपका रंग दबा हुआ लेगगा। इस बात का ध्यान रखें कि कंसीलर बहुत ज्यादा न लगाएं। आपको चेहरे पर हलका टिंट देना देना है न कि मास्क लगाना है। कंसीलर के बाद ट्रास्लूसेंट पाउडर से डस्टिंग करना न भूलें।

ट्रिक्स - कंसीलर सा फाउंडेशन में येलो आईशैडो मिलाकर आंखों के काले घेरों को छिपाने के लिए इस्तेमाल करें। इसी तरह त्वचा की लकीरों को छिपाने के लिए अपने फाउंडेशन या कंसीलर में ब्ल्यू या ग्रीन आईशैडो मिलाएं। झाईयों को छिपाने के लिए पिंक आइशैडो कंसीलर से पहले लगाएं।

कॉम्पेक्ट पाउडर - चेहरे की जरूरत से अधिक चमक को कम करने के लिए लूज पाउडर का इस्तेमाल करें। ऐसा कॉम्पैक्ट पाउडर खरीदें, जो त्वचा से मेल खाए और उसमें समा जाए। इसे बडे ब्रश से आहिस्ता से लगाएं।

उपाय- फाउंडेशन लगाने के बाद अपने चेहरे पर एक टिश्यू पेपर रखकर हलका सा दबाएं ताकि त्वचा का अतिरिक्त तेल या पसीना हट जाए। इसके बाद पाउडर लगाएं।

आजमाएं- लोरियल आइडियल बैलेंस कॉम्पैक्ट

ब्लश -यह आपके चेहरे के उभार को आकर्षक बनाने में मदद करता है। रात के मेकअप में खास तौर पर इसका प्रयोग जरूर करें। ब्लश लगाने के बाद अगर आपको मेकअप अधिक गहरा लगे तो टेंशन न लें। एक स्पॉन्ज से थपथपाकर कम कर दें।

आजमाएं- मेबलिन एक्सपर्ट वेयर ब्लश या मैक क्रीम ब्लश।

होंठ - लिप कलर हमेशा स्किन टोन, बाल और आखों केरंग से मेल खाना चाहिए। रात में ड्रामेटिक इफेक्ट देने के लिए गहरे लिप शेड्स का प्रयोग करें। जबकि दिन में टिंटेड या क्लियर लिप ग्लॉस इस्तेमाल करें।

उपाय- अपनी पसंद की लिपस्टिक शेड खुद बनाएं। लिपस्टिक के ऊपर स्पार्किलग आईशैडो लगाएं या फिर थोडी सी वैसलीन के साथ मनपसंद आइशैडो मिलाकर एक नया शेड बनाएं। अगर आपके पास लिपस्टिक को ढंग से लगाने का समय नहीं होता तो रात में सोने से पहले होंठों पर नैचरल शेड की लिपिस्टिक लगाएं। और सुबह चेहरा साफ करके लिप ग्लॉस लगाएं। जल्दी में कभी भी लिपलाइन न बनाएं। लिपलाइन बनाने से होंठ प्रॉमिनेंट नजर आते हैं, लेकिन जल्दीबाजी में सही शेप न बन पाने से होंठों का लुक खराब लगेगा।

आजमाएं- रेवलॉन की रेड अर्थ, मेबलिन कॉपर शेड, लक्मे मेटैलिक शेड

आंखें - आंखों में काजल पेंसिल से बीच से बाहरी कोनों तक एक लाइन खींचें। आइलाइनर आप जैसा चाहें लगा सकती हैं। मेकअप में आंखों का मेकअप सबसे महत्वपूर्ण होता है। आइलाइनर पतला और स्ट्रेट लाइन में लगाएं। समय कम हो तो सिर्फ ट्रासपेरेंट मस्कारा नीचे और ऊपर दोनों आईलैश पर लगाएं। दिन में हलका आई मेकअप करें, रात में थोड़ा गहरा। रात में ब्रो बोन में शिमरिंग हाइलाइटर लगाने से आखें बेहद खूबसूरत लगती हैं। आजकल मिनिमल लुक चलन में है। इसलिए मिनटों में मेकअप करना आसान हो गया है। अगर आपने आंखों पर खास ध्यान दिया है तो होंठों के लिए ग्लिटरी लिप ग्लॉस ही काफी है। अगर होंठों पर गहरा मेकअप किया है तो आखों में हलका काजल और मस्कारा ही लगाएं।

उपाय- आंखों को खूबसूरत दिखाने के लिए आइलाइनर से पतली लाइन खींचें, फिर आईशैडो के साथ ब्लेंड कर दें। लोअर आईलैशेज पर ब्राउन या गोल्डेन आई पेसिंल से हलकी रेखा जरूर खींचें।

आजमाएं- मैक का फ्लूइड आइलाइनर, मेबलिन ट्रासपेरेंट मस्कारा या मैरी के का एक्स्ट्रा वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा

मस्कारा - अपनी आइलैशेज के लिए परफेक्ट मस्कारा चुनें और उसे हमेशा अपने साथ रखें। चाहे आपको ग्लैमर लुक देना हो या गर्ल नेक्स्ट डोर लुक, मस्कारा हर लुक के लिए जरूरी है। अपने लिए मस्कारा चुनने से पहले कुछ बातों पर जरूर ध्यान दें -

अगर आपकी आइलैशेज बहुत छोटी हैं तो लाइटनिंग मस्कारा चुनें। अगर आइलैशेज काफी पतली और हलकी हैं तो ऐसा मस्कारा चुनें जो उन्हें वॉल्यूम दे। यानी वॉल्यूमाइजिंग मस्कारा। अगर आपकी आईलैशेज लंबी और घनी हैं तो आप किस्मत वाली हैं, लेकिन इन्हें और आकर्षक बनाने के लिए आपको कर्लिंग मस्कारा चुनना चाहिए।

उपाय- मस्कारा लगाने पर एक जगह जमा न हो जाए, इसके लिए पहला कोट पतला लगाएं। अगर फिर भी लैशेज पर मोटा-मोटा जम जाए तो आइलैशेज कोम्ब से आहिस्ता से कंघी करके लैशेज को अलग-अलग कर लें।

जब आप अपने लिए परफेक्ट मस्कारा चुन लें, फिर कलर्ड मस्कारा भी लगा सकती हैं। अपने कॉम्प्लेक्शन के मुताबिक कलर्ड मस्कारा भी आजमा सकती हैं। ब्लैक एंड ब्राउन मस्कारा हर अवसर के लिए मुफीद होता है और यह आपके परिधानों के साथ मेल भी खाता है।

आजमाएं- मेबेलिन लैश स्टाइलिश मस्कारा लोरियल पेरिस वॉल्यूम शॉकिंग मस्कारा

आप स्विमिंग की योजना बनाती हैं या खुशी के अवसर पर आपके आंसू निकल जाते हैं, आप जल्दी भावविभोर होकर रोने लगती हैं तो बेहतर होगा कि आप वॉटरप्रूफ मस्कारा लगाएं। यह तीन रंगों में आसानी से उपलब्ध है-ब्लैक, ब्राउन और ब्ल्यू।

आप चाहें तो कर्लर से आखें कर्ल भी कर सकती हैं।

टैटूज का मतलब अलग लोगों के लिये अलग होता है कुछ लोग अनूठेपन के स्टेटमेंट के लिये टैटू चुनते हैं जबकि कुछ लोगों के लिये टैटू या क्लॉन को सिम्बॉलाइज़ करता है।

कितने प्रकार के टैटू

एमेच्योर टैटूज

ये शुरूआती टैटूज हैं जो अपने नेचर में क्रूड होते हैं क्योंकि ये ऐसे व्यक्ति द्वारा बनाये जाते हैं जिसे स्पेशलाईच्ड एक्सपीरियंस नहीं होता। ये टैटूज एस्थेटिक नेचर के नहीं होते और अस्वच्छ दशाओं में डाईंग के लिये इस्तेमाल होने वाले असामान्य तत्वों द्वारा बनाये जाते हैं। इनसे इंफेक्शन का खतरा काफी अधिक होता है क्योंकि इन्हें बनाने वाले प्रोफेशनल नहीं होते।

कल्चरल या धार्मिक टैटूज

कुछ एथनिक ग्रुप्स के टैटूज का छुपा हुआ अर्थ होता है। ये किसी नेटिव ग्रुप में रैंक और एचिवमेंट्स को सिम्बलाइज करते हैं। इनको बनाने की पारंपरिक विधिया काम में लाई जाती हैं।

प्रोफेशनल टैटूज

ये टैटूज ऐसे लोगों द्वारा बनाये जाते हैं जिनको बनाने वाले प्रोफेशनल्स टैटूइंग में स्पेशलाइज्ड होते हैं। नीडिल्स वाली एक टैटू मशीन त्वचा को पंक्चर करती है और रंग को त्वचा लेयर के अंदर डालती है।

कॉस्मेटिक टैटूज

टैटूज को मेकअप के रूप में बालों की इमिटेटिंग फीचर्स को उभारने में जैसे कि लिप्स (लिप लाइनर्स) या आखें (आईब्रोज, आई लाइनर) और यहा तक कि मोल्स के लिये भी किया जाता है। त्वचा के डिस्कलरेशन को टैटू बनवाकर छिपाया जा सकता है।

मेडिकल टैटूज

ऐसा टैटू बनवाने वाले किसी इमर्जेन्सी के समय किसी खास मेडिकल कंडीशन या ब्लड ग्रुप की किस्म के संकेत के लिये इसे बनवाते हैं। ब्रेस्ट रिकास्ट्रक्शन के कुछ रूपों में टैटू का उपयोग एरोला बनाने के लिये किया जा सकता है।

ट्रॉमाटिक टैटूज

ये टैटूज जानबूझकर नहीं बनवाये जाते बल्कि किसी एक्सीडेंट के दौरान शरीर में कोई बाहरी चीज धंस जाने से बनते हैं। उदाहरण के लिये पेंसिल अनायास चुभने पर त्वचा लेयर के नीचे ग्रेफाईट रह सकती है जो काले बिंदु के रूप में दिखती है।

व्यक्तित्व में निखार लाएं मोती जैसे दांत

दांत खाना खाने के लिए तो जरूरी है ही, मोहक, प्रभावशाली व्यक्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण है। कुछ लोग यूं तो बहुत खूबसूरत होते हैं, लेकिन मुंह खोलते ही उनका आकर्षण खत्म हो जाता है। कुछ ऐसा ही हुआ मनाली के साथ। उसके हाथ से मॉडलिंग का अवसर सिर्फ इसलिए छूट गया, क्योंकि उसके दांत छोटे-बड़े हैं और पीले भी पड़ गए हैं। ऐसा कुछ आपके साथ न हो, इसलिए शुरू से ही दांतों की उचित देखभाल जरूरी है।

जब बच्चों के दांत उग आएं, तभी से सुबह व रात में सोते समय ब्रश की आदत डाल देनी चाहिए। खाते समय भोजन के कण दांतों के बीच फंस जाते है, जो ब्रश करने से निकल जाते है। यदि इन्हे न निकाला जाए तो ये सड़ने लगते हैं, जिससे दांतों में सड़न और कैविटी पैदा हो जाती है। इस कारण दांतों में तेज दर्द हो सकता है व असमय दांत टूट सकते है। लोग सोचते है दूध केदांत तो टूट जाते है। इतनी देखभाल क्यों करे? दूध के सभी दांत एक साथ नहीं टूटते। एक-एककर टूटते जाते हैं और उनकी जगह नए दांत आते-जाते हैं। अगर कोई पुराना सड़ा हुआ हो तो वह नए दांत को भी सड़ा सकता है।

जरूरी है दांतों की सफाई

बच्चों को टॉफियां खासतौर से पसंद होती है। ध्यान रखें कि कुछ भी मीठा खाने के बाद बच्चे कुल्ला जरूर करें। कुछ लोग समझते हैं कि टूथपेस्ट का अधिक इस्तेमाल करने से दांत ठीक से साफ होते है। ऐसा नहीं है, बल्कि अधिक टूथपेस्ट दांतों की ऊपरी सुरक्षा परत इनामेल को नुकसान पहुंचा सकता है। सामान्यतया ऐसे टूथपेस्ट का उपयोग करना चाहिए जिसमें फ्लोरीन हो। फ्लोरीन हड्डियों में पाया जाने वाला एक तत्व है। यह दांतों को मजबूत बनाता है। लेकिन ज्यादा फ्लोरीन भी दांतों को पीला और खराब कर सकता है। इस बीमारी को फ्लोरोसिस कहते है। जिस क्षेत्र के पानी में फ्लोरीन की मात्रा अधिक हो, वहां के लोगों को फ्लोरीन वाले टूथपेस्ट से बचना चाहिए।

विटामिंस का करें भरपूर उपयोग

दांतों के साथ मसूड़ों की देखभाल भी जरूरी है। ब्रश के बाद मसूड़ों की उंगलियों से हलकी - हलकी मालिश करें। कुछ बीमारियों के बाद मसूड़े ढीले पड़ जाते हैं और दांत हिलने लगते है। कभी-कभी मसूड़ों में छाले भी पड़ जाते है। ऐसे में भोजन में नमक-मिर्च आदि का उपयोग कम करे, क्योंकि उनसे जलन होती है। साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि दांतों पर कोई आघात न पहुंचे क्योंकि उस समय ये टूट सकते है। खाने में विटमिन बी कॉम्प्लेक्स व विटामिन सी का भरपूर प्रयोग करे और डॉक्टर की सलाह का पालन करे ताकि आपके मसूड़े जल्द से जल्द स्वस्थ हो जाएं। विटामिन सी आंवला, संतरा, मौसमी, टमाटर, साग-सब्जियों में मिलता है। इसका नियमित सेवन आपको स्कर्वी और पायरिया से दूर रखेगा। पायरिया मसूड़ों की बीमारी है जो एंट अमीबा जिंजिवेलिस नाम के कीटाणु से होती है। इसमें मुंह से दुर्गंध तथा मसूड़ों से खून आने की शिकायत होती है। पायरिया होने पर डॉक्टर के परामर्श का पालन करे। दवाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन-पर-ऑक्साइड से कुल्ला करना भी लाभदायक हो सकता है।

दूर करें कैविटी

दांत अगर सड़ जाएं और उसमें कैविटी बनने लगे तो कैविटी को भरवाया जा सकता है। इससे पहले दांत को अच्छी तरह से साफ व कीटाणुमुक्त करना पड़ता है। ताकि कैविटी भरने के बाद अंदर कोई कीटाणु न रह जाए और दांत को फिर से सड़ने से बचाया जा सके। ज्यादा सड़े या जड़ों से कमजोर दांतों को निकलवाकर उनकी जगह नकली दांत या नए दांतों का सेट लगवाया जा सकता है।

दांतों का सौंदर्य बढ़ाएं

दांत पीले पड़ गए हों या दो दांतों के बीच अधिक दूरी हो, दांत छोटे-बड़े या बाहर की ओर निकले हों तो इससे भी चेहरे के सौंदर्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। ऐसे में डेंटिस्ट से अवश्य मिलें। डेंटिस्ट की सलाह पर पीले दांतों की सफाई करवाएं। बाहर की ओर निकले या दूरी वाले दांतों पर कुछ दिनों के लिए क्लिप लगवाएं। बड़े दांतों को घिसवा सकती है। छोटे दांतों में नीचे से दांतों जैसा दिखने वाला पदार्थ जोड़कर उन्हे समान आकार का बनवाया जा सकता है।

आकर्षक मुस्कान के लिए

सौंदर्य विशेषज्ञा डॉ. ब्लॉसम कोचर के मुताबिक, आपके चेहरे की कंप्लीट स्माइल मेकओवर भी की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे के आकार को देखकर ये आकलन किया जाता है कि इस पर कैसी मुस्कान और दांत अच्छे लगेंगे। फिर उसके अनुसार हम बेहतर मुस्कान का अभ्यास कराते है। स्माइल मेकओवर क्लासेस में हंसने के तरीके के साथ ही चेहरे के हाव-भाव के बारे में भी बताया जाता है। ताकि हंसते समय आपके चेहरे का प्रभाव दूसरे पर अच्छा हो।

चेहरे के आकार को देखकर हम यह अनुमान लगाने की कोशिश करते है कि आप पर कैसे दांत व कैसी मुस्कान अच्छी लगेगी। फिर असली दांतों का आकार बदला जाता है व जरूरत पड़ी तो नकली दांत लगा दिया जाता है। दांतों का पूरा सेटअप बदलने के साथ यह बताया जाता है कि आपके लिए किस तरह हंसना ठीक रहेगा। हालांकि यह मौके पर निर्भर करता है। यानी मनचाही मुस्कान जिसमें सब कुछ आकर्षक हो, वैसा हो, जैसा आप चाहे, हासिल की जा सकती है। एक प्यारी सी मुस्कान कई अनकही बातें कह जाती है और कई दिल जीत लेती है। आप इन बातों का ख्याल रख सकें तो चमचमाते दांत आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएंगे और हर कोई कहेगा-स्माइल प्लीज।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजा में हमास के साथ सीक्रेट डील, इजराइल का नया प्लान, हिजबुल्लाह को खत्म करने की तैयारी

तेल अवीव/ बेरूत, एजेंसी। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष अब युद्ध की ओर बढ़ता दिख रहा है. लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी रेडिया में धमाके के बाद इजराइल ने हिजबुल्लाह के खिलाफ हवाई हमले तेज कर दिए हैं. ऐसा माना जा रहा है कि इजराइल का फोकस अब गाजा से लेबनान की तरफ शिफ्ट हो गया है. हाल ही में इजराइली सेना आईडीएफ ने कहा था कि फिलहाल वह दक्षिण लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमले कर रही है. आईडीएफ का उद्देश्य हिजबुल्लाह की आतंकवादी क्षमताओं और बुनियादी ढांचे को नष्ट करना है.

नया युद्धविराम और बंधक समझौता : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक वरिष्ठ सलाहकार ने बाइडेन प्रशासन को हमास के साथ एक नया युद्धविराम और बंधक समझौता सौंपा है. रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू के करीबी सहयोगी गैल हिर्श (जो बंधकों और लापता लोगों के लिए इजराइल के समन्वयक हैं) के प्रस्ताव से गाजा में स्थायी युद्धविराम होगा और संघर्ष खत्म हो जाएगा.

इसके तहत गाजा में संघर्ष के दौरान इजराइल द्वारा पकड़े गए फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में सभी बंधकों को एक साथ रिहा किया जाएगा. साथ ही इजराइल द्वारा हमास के नेता याह्या सिनवार को गाजा से किसी अन्य देश भेजा जा सकता है. हमारा ध्यान उत्तर की ओर शिफ्ट हो रहा... लेबनान में ताजा हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी है कि हजारों संचार उपकरणों में एक साथ विस्फोट करना युद्ध अपराध हो सकता है. हालांकि इजराइल ने हमलों की जिम्मेदारी लिए बिना कहा है कि वह अपना ध्यान उत्तर की ओर शिफ्ट कर रहा है. वायु सेना बेस का दौरा करने पहुंचे इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने कहा कि हमारा ध्यान उत्तर की ओर स्थानांतरित हो रहा है, जिसका अर्थ है कि हम उत्तर की ओर सेना, संसाधन और ऊर्जा को तेजी से मोड़ रहे हैं.

लेबनान में बड़े अभियान की तैयारी : अगर इस समझौते पर इजराइल और हमास के बीच अंतिम सहमति बनती है तो गाजा में संघर्ष खत्म हो जाएगा. इससे इजराइल को अपने सुरक्षा बलों को लेबनान में नए स्तर के अभियान में लगाना आसान हो जाएगा. नए युद्धविराम प्रस्ताव में गाजा में इजराइली सेना की मौजूदगी को लेकर कुछ नहीं कहा गया है. हालांकि हमास ने अभी इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है. अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बीते दिनों कहा था कि अमेरिका अब गाजा में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं चाहता है, जिससे गाजा में युद्धविराम समझौता के लिए हानिकारक हो. साथ ही उन्होंने जोर दिया कि गाजा में युद्धविराम जरूरी है और यह संभव भी है।

बेरूत हमले में हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर ढेर : लेबनान की राजधानी बेरूत में इजराइली के हवाई हमले में हिजबुल्लाह का एक और शीर्ष कमांडर अहमद वहबी मारा गया. इसके अलावा 31 लोगों की भी मौत हुई है. हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को उत्तरी इजराइल पर एक साथ 140 रॉकेट दागे थे. इससे पहले समूह के नेता हसन नसरल्लाह ने लेबनान में इजराइली के हमलों का बदला लेने की कसम खाई थी. हिजबुल्लाह ने पुष्टि की है कि बेरूत में इजराइल के हमलों में उसके वरिष्ठ सैन्य कमांडर इब्राहिम अकील और एक अन्य कमांडर अहमद वहबी मारे गए. हवाई हमले में 31 लोगों की जान चली गई और कम से कम 68 अन्य घायल हो गए. इस बीच, लेबनान के प्रधानमंत्री ने इजराइल के हवाई हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि तेल अवीव ने किसी भी मानवीय, कानूनी या नैतिक विचारों को कोई महत्व नहीं दिया.

गाजा में कैसे शुरू हुआ संघर्ष : गौरतलब है कि हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर भीषण हमला किया था. जिसमें करीब 1,200 इजराइली नागरिक मारे गए थे. साथ ही हमास के लड़ाकों ने 200 से अधिक नागरिकों को बंधक बना लिया था. इस हमले के बाद इजराइल ने गाजा में हमास के खिलाफ जंग छेड़ दी थी. करीब एक साल से जारी संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं. साथ ही इजराइल के हवाई हमलों में पूरी गाजा पट्टी तबाह हो गई है. संघर्ष के कारण लाखों फिलिस्तीन नागरिक विस्थापित हुए हैं।

मोदी के कंधे पर हाथ रखकर बाइडेन बोले-क्वाड बना रहेगा

डेलावेयर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे के पहले दिन शनिवार को राष्ट्रपति बाइडेन के होमटाउन डेलावेयर पहुंचे। यहां वे देर रात 1ः30 बजे (भारतीय समयानुसार) अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और जापान के पीएम फूमियो किशिदा के साथ क्वाड (क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग) समिट में शामिल हुए। बैठक के बाद क्वाड लीडर्स के फोटोशूट में बाइडेन से अमेरिकी चुनाव के बाद संगठन के अस्तित्व को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर बाइडेन ने पीएम मोदी के कंधे पर हाथ रखकर कहा कि क्वाड चुनाव के बाद भी बना रहेगा। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब दुनिया संघर्षों से घिरी है। ऐसे में क्वाड का साथ मिलकर चलना जरूरी है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। बाइडेन ने गले लगाकर किया मोदी का स्वागत क्वाड समिट के बाद चारों नेताओं ने कैंसर मूनशॉट कार्यक्रम में हिस्सा लिया। यहां क्कमोदी ने इंडो-पैसेफिक देशों को सर्विकल कैंसर के लिए 4 करोड़ वैक्सीन मुफ्त देने की घोषणा की। समिट से पहले पीएम मोदी ने राष्ट्रपति बाइडेन से डेलावेयर स्थित आवास पर मुलाकात की। बाइडेन ने मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। इसके बाद दोनों के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। इस दौरान बाइडेन ने यूएनएससी में भारत की परमानेंट सीट का समर्थन किया। पीएम मोदी ने जापान और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मोदी के अमेरिका पहुंचने से चंद घंटे पहले व्हाइट हाउस ने खालिस्तान समर्थकों की मेजबानी की। अमेरिकी सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वे सिख एक्टिविस्ट्स को दूसरे देशों के दमन से बचाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के कोयला खदान में मीथेन रिसाव से धमाका, 19 लोगों की मौत

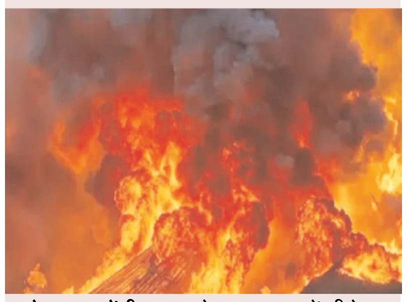

तेहरान, एजेंसी। एक कोयला खदान में मीथेन गैस के रिसाव के कारण हुए धमाके में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए, ईरानी राज्य टीवी ने रविवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना तबास में हुई, जो राजधानी तेहरान से लगभग 540 किलोमीटर में स्थित है। धमाके के बाद आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी क्षेत्र में भेजे जा रहे हैं। धमाके के समय वहां करीब 70 लोग काम कर रहे थे। ईरान एक तेल उत्पादक देश है और इसे कई प्रकार के खनिजों के लिए भी जाना जाता है। देश हर साल लगभग 35 लाख टन कोयले का उपभोग करता है, लेकिन अपने खदानों से केवल 18 लाख टन कोयला ही निकालता है। बाकी कोयला आमतौर पर आयात किया जाता है, जो अक्सर देश के स्टील मिलों में इस्तेमाल होता है। यह पहला मौका नहीं है जब ईरान के खनन उद्योग में इस तरह का हादसा हुआ है। 2013 में दो अलग-अलग खदानों में 11 श्रमिकों की मौत हुई थी। 2009 में भी कई घटनाओं में 20 श्रमिकों की जान गई थी। 2017 में एक कोयला खदान के धमाके में कम से कम 42 लोगों की मौत हुई थी।

गोलीबारी में अमेरिका में दो की मौत, तीन घायल

मिनियापोलिस , एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस के डाउनटाउन में शनिवार सुबह हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और दो किशोर लड़कियां समेत तीन घायल हो गए। पुलिस को शनिवार सुबह 2 बजे से ठीक पहले गोली चलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने पाया कि पांच लोग (20 और 21 साल के दो लड़के, 16 और 17 साल की दो किशोरियां और 21 साल की युवती) घायल हैं। दोनों लड़कों की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि अन्य घायल खतरे से बाहर हैं। पुलिस का कहना है कि दो गुटों के बीच रंजिश के चलते गोलीबारी हुई। पुलिस ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सहायक पुलिस प्रमुख केटी ब्लैकवेल ने कहा कि पुलिस ने डाउनटाउन क्षेत्र में गश्ती बढ़ा दिया है।

ईरान की खदान में मीथेन रिसाव के कारण हुआ विस्फोट, कम से कम 19 लोगों की गई जान

तेहरान, एजेंसी। पूर्वी ईरान में कोयले की एक खदान में शनिवार देर रात विस्फोट हो गया। इससे कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हुए हैं। बताया जा रहा कि मीथेन रिसाव के कारणयह धमाका हुआ। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने जानकारी दी कि राजधानी तेहरान से लगभग 540 किलोमीटर (335 मील) दक्षिण-पूर्व में तबास में स्थित एक कोयला खदान में विस्फोट हुआ। जानकारी मिलते ही अधिकारियों ने आपात कर्मचारियों को इलाके में भेजा। रिपोर्ट के अनुसार, मीथेन रिसाव के कारण हुए धमाके के समय वहां करीब 70 लोग काम कर रहे थे।

कमला हैरिस ने ट्रंप को एक और बहस की चुनौती दी; राष्ट्रपति पद के लिए बहस का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को एक बार फिर राष्ट्रपति पद की बहस के लिए सीएनएन ने आमंत्रित किया है, जिसे कमला हैरिस ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही हैरिस ने अपने प्रतिद्वंदी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को इसे स्वीकार करने की चुनौती दी है। बता दें कि कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में एबीसी न्यूज द्वारा संचालित राष्ट्रपति पद की बहस में भाग लिया था, जिसमें उपराष्ट्रपति हैरिस पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ लक्षित कटाक्षों के साथ हावी होती हुई दिखाई दी थीं। सीएनएन के निमंत्रण के बाद कमला हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, मैं 23 अक्तूबर को दूसरी राष्ट्रपति पद की बहस को सहर्ष स्वीकार करूंगी। मुझे उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप मेरे साथ इस बहस में शामिल होंगे। वहीं, कमला हैरिस के अभियान अध्यक्ष ओमैली डिलन ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति हैरिस डोनाल्ड ट्रंप के साथ मंच साझा करने के एक और अवसर के लिए तैयार हैं। ट्रंप को इस बहस के लिए सहमत होने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। 23 अक्तूबर की बहस के लिए सीएनएन ने दोनों नेताओं को जून की बहस के समान एक प्रारूप की पेशकश की है, जिसमें ट्रंप और हैरिस बिना लाइव स्टूडियो दर्शकों के 90 मिनट तक मॉडरेटर के सवालों का जवाब देंगे। पहली राष्ट्रपति पद की बहस ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई थी, जिसमें बाइडन के खराब प्रदर्शन ने उनकी उम्र को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं। इस कारण उन्हें अभियान से बाहर होना पड़ा था। राष्ट्रपति बाइडन ने फिर दौड़ के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया और उन्हें जल्द ही पार्टी का आधिकारिक नामांकन भी मिल गया। हैरिस के साथ बहस के बाद, ट्रंप ने तीसरी बहस करने पर विपरीत रुख अपनाया है। शुरुआत में, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, कोई तीसरी बहस नहीं होगी।

इजराइल ने वेस्ट बैंक में अल जजीरा के कार्यालय पर छापा मारा

येरुशलम, एजेंसी। इजराइल ने पहले भी पूर्वी यरुशलम में अल जजीरा के कार्यालय पर छापा मारा था, उसके उपकरण जब्त कर लिए थे, इजराइल में उसके प्रसारण पर रोक लगा दी थी तथा उसकी वेबसाइट्स पर भी पाबंदी लगा दी थी। इजराइली सैनिकों ने रविवार तड़के इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में समाचार संगठन अल जजीरा के कार्यालय पर छापे मारे और वहां मौजूद लोगों को तत्काल काम बंद करने का आदेश दिया। अल जजीरा ने अपने अरबी के चैनल पर इजराइली सैनिकों के एक फुटेज का सीधा प्रसारण किया जिसमें सैनिक कार्यालय को 45 दिन तक बंद रखने का आदेश दे रहे हैं। अल जजीरा गाजा पट्टी में इजराइल-हमास युद्ध का प्रसारण कर रहा है। इजराइल ने पहले भी पूर्वी यरुशलम में अल जजीरा के कार्यालय पर छापा मारा था, उसके उपकरण जब्त कर लिए थे, इजराइल में उसके प्रसारण पर रोक लगा दी थी तथा उसकी वेबसाइट्स पर भी पाबंदी लगा दी थी। इजराइली सेना ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अल जजीरा ने इस कदम की आलोचना की है और वह पड़ोसी देश जॉर्डन के अम्मान से प्रसारण कर रहा है।

3000 टन मछलियां भेजेगा बांग्लादेश, भारत को खुश करने में जुटी यूनुस सरकार; एक्सपोर्ट से हटाया बैन

ढाका, एजेंसी। दुर्गा पूजा के पहले भारतीयों को बांग्लादेश खास तोहफा देना जा रहा है। लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेश ने भारत को तीन हजार टन हिल्सा मछलियां भेजने का ऐलान किया है। शनिवार को बांग्लादेश की सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की। भारत-बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश में यह फैसला लिया गया है। काफी वक्त से यह परंपरा चली आ रही है कि बांग्लादेश भारत को हिल्सा मछलियां भेजता आ रहा है, मगर यूनुस सरकार ने इस पर बैन लगा दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस बार हिल्सा न भेजी जाती, तो इससे दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ सकता था। पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने साफ तौर पर कहा था कि वह इस बार दुर्गा पूजा के दौरान हिल्सा नहीं भेजेगी। लेकिन अब ऐन वक्त पर यह फैसला पलट दिया गया। कुछ ही दिनों पहले प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को हिल्सा निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे बांग्लादेश द्वारा अपने पड़ोसी के प्रति सद्भावना संकेत के रूप में लंबे समय से चली आ रही परंपरा समाप्त हो गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा, निर्यातकों की अपील को देखते हुए आगामी दुर्गा पूजा के अवसर पर विशिष्ट शर्तों को पूरा करते हुए 3,000 टन हिल्सा मछली (भारत को) निर्यात करने की मंजूरी दे दी गई है। मंत्रालय ने आवेदकों से निर्यात की अनुमति प्राप्त करने के लिए संबंधित शाखा से संपर्क करने को कहा। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली अवामी लीग सरकार ने सद्भावना के तौर पर हर साल सितंबर और अक्टूबर के बीच भारत को हिल्सा निर्यात की अनुमति दी थी। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही थी। अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेश ने 2023 में 79 कंपनियों को भारत को कुल 4,000 टन निर्यात करने की अनुमति दी थी। बांग्लादेश दुनिया का सबसे बड़ा हिल्सा उत्पादक है, लेकिन स्थानीय मांग अधिक होने के कारण वह इस मछली के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान, वह आमतौर पर इस मछली के निर्यात पर प्रतिबंध में ढील देता है, जो बंगालियों का एक बहुत पसंदीदा व्यंजन है। भारत के मछली आयातक संघ ने इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से दुर्गा पूजा के दौरान भारत को हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का आग्रह किया था, जब देश में अशांति और सरकार परिवर्तन के कारण इस वर्ष मछली के निर्यात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। एसोसिएशन के सचिव सैयद अनवर मकसूद ने नौ सितंबर को लिखे पत्र में बताया कि बांग्लादेश ने 2012 में हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन पिछले पांच वर्षों से सद्भावना के तौर पर वह सितंबर के पहले सप्ताह से दुर्गा पूजा के अंत तक सीमित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति दे रहा है।

अमेरिका ने लौटाया भारत का खजाना, वापस लाई जाएंगी 297 नायाब चीजें, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अमेरिका में भारतीय संस्कृति से जुड़ी 297 ऐसी नायाब वस्तुएं लौटा दी हैं जो कि तस्करी के जरिए देश से बाहर चली गई थीं। कीमती और प्राचीन वस्तुओं की चोरी और तस्करी लंबे समय से गंभीर समस्या रही है। 2014 के बाद से भारत को विदेश से लगभग 640 धरोहर वापस मिल चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर राष्ट्रपति बाइडेन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ाई और सांस्कृतिक संबंध और मजबूत हो रहे हैं। 297 नायाब कलाकृतियों को लौटाने के लिए हम राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिका सरकार के आभारी हैं। इससे पहले भी पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के समय कई प्रचीन वस्तुएं सौंपी गई थीं। 2021 में जब पीएम मोदी अमेरिका गए थे तो उन्हें 157 चीजें मिली थीं। इसमें 12वीं शताब्दी की नटराज की मूर्ति भी शामिल थी। 2023 में पीएम मोदी के दौरे के बाद अमेरिका ने 105 वस्तुएं भारत को लौटाई थीं। इस तरह अकेले अमेरिका से ही अब तक 578 प्राचीन और बेशकमीती वस्तुएं भारत को वापस मिल चुकी हैं। अमेरिका के अलावा यूके से 16 और ऑस्ट्रेलिया से 14 कलाकृतियां वापस प्राप्त की गई हैं। वहीं 2004 से 2013 तक केवल एक ही कलाकृति भारत को विदेश से मिल पाई थी। जुलाई 2024 में 46वीं वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी से इतर नई दिल्ली में अमेरिका और भारत के बीच कल्चरल प्रॉपर्टी अग्रीमेंट पर साइन किए गए थे। इस समझौते के मुताबिक सांस्कृतिक वस्तुओं की अवैध तस्करी पर विराम लगाने के प्रयास किए जाएंगे।

पिछले 10 साल से भारत ने अपने प्राचीन खजाने को वापस पाने के लिए सार्थक प्रयास किए हैं और उसका प्रभाव दिखाई भी दे रहा है। सूत्रों का कहना है कि वैश्विक नेताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तिगत संबंधों की वजह से भारत की धरोहर को वापस लाने में मदद मिली है। तस्करी के जरिए विदेश पहुंच गईं कलाकृतियां और मूर्तियां भारत की पुरातन संस्कृति से जुड़ी हुई हैं।

पाकिस्तान में फिर तेजी से फैल रहा पोलियो, कई बच्चे पीड़ित, कैसे 10 साल पहले ही वायरस मुक्त हो गया था भारत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के मामलों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में भी पहला मामला दर्ज किया गया है। साथ ही सिंध और बलूचिस्तान में दो और बच्चों में इस बीमारी का पता चला है। ताजा मामलों में बलूचिस्तान के किला अब्दुल्लाह जिले में 15 महीने के एक बच्चे, कराची के केमारी जिले में तीन साल के एक बच्चे और केपी के मोहम्मद जिले में नौ महीने की बच्ची में पोलियो की पुष्टि हुई है। जहां भारत के पड़ोसी देश में पोलियो एक बार फिर से पैर पसार रहा है तो वहीं भारत 10 साल पहले ही खुद को पोलिया-मुक्त घोषित कर चुका है। पोलियो वायरस मुख्य रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है, खासकर उन बच्चों को जो कुपोषित हैं या जिन्हें टीकाकरण नहीं मिला है। यह बीमारी तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है और लकवा या यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकती है। पोलियो का कोई इलाज नहीं है, लेकिन टीकाकरण सबसे प्रभावी तरीका है जिससे बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तान सरकार पोलियो उन्मूलन के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन देश अभी भी पोलियो वायरस की चपेट में है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान दुनिया के दो ऐसे देश हैं, जहां पोलियो अभी भी स्थानिक है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 8 सितंबर को पोलियो उन्मूलन के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत 9 से 15 सितंबर तक घर-घर जाकर पांच साल से कम उम्र के करीब 3 करोड़ बच्चों को पोलियो टीके लगाए जाने के लिए 2,86,000 पोलियो कार्यकर्ता तैनात किए गए थे। पिछले महीने सिंध सरकार ने भी 10 दिवसीय टीकाकरण अभियान शुरू किया था। यह वायरस केवल तीन प्रांतों तक ही सीमित नहीं है। इस्लामाबाद ने भी 16 साल में अपना पहला पोलियो मामला दर्ज किया, जब नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के पोलियो क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला ने 6 सितंबर को संघीय राजधानी के यूनियन काउंसिल रूरल 4 के एक बच्चे में वाइल्ड पोलियो वायरस टाइप 1 के रूप में बीमारी का पता लगाया। अब तक, बलूचिस्तान ने सबसे अधिक 14 पोलियो मामलों की सूचना दी है, जबकि सिंध में चार मामले दर्ज किए गए हैं।

श्रीलंका में नए राष्ट्रपति होंगे वामपंथी नेता दिसानायके, तीसरे स्थान पर पहुंचे विक्रमसिंघे

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपनी मजबूत बढ़त हासिल कर ली है. अनुरा कुमारा दिसानायके की जीत तय है. श्रीलंकाई लोगों ने 2022 में आर्थिक मंदी के बाद पहले चुनाव में वामपंथी राष्ट्रपति को चुना है. बताया जा रहा है कि वापंथी नेता दिसानायके चीन के समर्थक हैं. कई मामलों में उन्होंने चीन का समर्थन किया है. कहा जा रहा कि श्रीलंका में अडाणी के प्रोजेक्ट को रद्द करने की बात कर चुके हैं. कुमारा दिसानायके का राष्ट्रपति बनना लगभग तय है. चुनाव आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के हिसाब से दिसानायके को 54 फीसदी वोट मिले हैं. वह जबरदस्त बहुमत के साथ जीत की ओर बढ़ रहे हैं. वहीं, वर्तमान राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे तीसरे स्थान पर हैं. राष्ट्रपति चुनाव में इस बार लगभग 75 प्रतिशत मतदान हुआ जो पिछले बार के चुनाव के मुकाबले कम है. नवंबर 2019 में हुए पिछले राष्ट्रपति चुनाव में हुए 83 प्रतिशत मतदान हुआ था. जानकारी के अनुसार रविवार को सुबह 7 बजे तक घोषित कुल मतों की गिनती में 56 वर्षीय दिसानायके ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी 57 वर्षीय साजिथ प्रेमदासा के खिलाफ 727,000 वोट या 54 प्रतिशत वोट हासिल किए. प्रेमदासा मुख्य विपक्षी नेता हैं. उन्हें 23 प्रतिशत के साथ 333,000 वोट मिले. मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे 16 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 75, 235,000 वोटों के साथ पीछे चल रहे हैं. ??विक्रमसिंघे ने अभी तक हार स्वीकार नहीं की है. कौन है अनुरा कुमार दिसानायके अनुरा कुमार दिसानायके कोलंबो जिलो के सांसद हैं। वर्तमान में वह नेशनल पीपुल्स पावर और जनता विमुक्ति पेरमुना पार्टी के नेता हैं। राष्ट्रपति पद के लिए उन्हेंने नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के उम्मीदवार के तौर चुनाव लड़ा। इस गठबंधन में मार्क्सवादी-झुकाव वाली जनता विमुक्ति पेरेमुना (जेवीपी) पार्टी शामिल है। उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी उपायों और गरीबों के कल्याण के लिए नीति पर अपना ध्यान केंद्रित किया। दिसानायके ने चुनाव प्रचार के दौरान महत्वपूर्ण बदलावों का वादा किया, जिसमें आम चुनाव में नया जनादेश हासिल करने के लिए 45 दिनों के भीतर संसद को भंग करना भी शामिल है। बता दें कि 2022 में गंभीर आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका में यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। अप्रैल 2022 में खाद्यान्न, ईंधन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी के बीच श्रीलंका ने दिवालिया होने की घोषणा की थी। देश में महीनों से जारी विरोध-प्रदर्शन के हिंसक रूप अख्तियार करने के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को श्रीलंका छोड़कर भागने व इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। कुछ हफ्तों बाद संसद ने विक्रमसिंघे को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया था। क्या दिसानायके भारत विरोधी हैं? मामले के जानकार बताते हैं कि इस बात की आशंका काफी ज्यादा है कि ताजपोशी के बाद दिसानायके का चीन के प्रति झुकाव ज्यादा होगा। द वीक का कहना है कि उनकी पार्टी जेवीपी पर 2021 में उनके अभियान के दौरान चीनी मदद के आरोप लगे थे। डेली मिरर श्रीलंका को दिए इंटरव्यू में दिसानायके ने कहा था, किसी ने दावा किया था कि मैंने विदेश यात्राओं पर 70 मिलियन रुपए खर्च किए हैं। मैंने भारत और चीन की सरकारों के निमंत्रण पर वहां का दौरा किया। भारत और चीन की सरकारों ने ही सारा खर्च वहन किया था। अडानी के प्रोजेक्ट रद्द करने का वादा अनुरा कुमारा की पार्टी जेपीवी ने 1980 के दशक में भारत द्वारा भेजी गई पीस कीपिंग फोर्स का विरोध किया था। भारत ने उस वक्त लिट्टे के खात्मे के लिए इस फोर्स को श्रीलंका भेजा था।

भरत ने खड़ाऊं रख सिंहासन संभाला, मैं दिल्ली संभालूंगी

-आतिशी ने सीएम का पद संभाल भरत की व्यथा बयान की

-भाजपा ने बताया जनता का अपमान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को पदभार संभाल लिया है। आतिशी ने करीब 12 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंच कर तमाम औपचारिकताएं पूरी कीं। इस दौरान आतिशी ने सीएम ऑफिस में एक खाली कुर्सी रख छोड़ी और खुद दूसरी कुर्सी में बैठीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज मेरे मन में भरत की व्यथा है, जिस प्रकार भरत जी ने भगवान श्री राम की खड़ाऊं रखकर अयोध्या का शासन संभाला था, उसी तरह मैं दिल्ली की सरकार चलाऊंगी। भाजपा ने इसे जनता का अपमान बताया है।

सीएम का पदभार संभालने के साथ ही दिल्ली की नई सीएम आतिशी ने कहा, कि यह खाली कुर्सी उन्होंने अरविंद केजरीवाल के लिए छोड़ रखी है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि फरवरी में विधानसभा चुनाव के बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को एक बार फिर से इसी कुर्सी पर बिठाएंगे। तब तक यह खाली कुर्सी इसी कमरे में रखी रहेगी और केजरीवाल जी का इंतजार करेगी। आतिशी ने आगे कहा, कि मेरे मन में आज वही व्यथा है जो भगवान श्री राम के 14 साल के लिए वनवास जाते समय भरत जी के मन थी। जिस प्रकार भरत जी ने 14 साल तक भगवान श्री राम की खड़ाऊं रखकर अयोध्या का शासन संभाला। उसी तरह से मैं भी आने वाले 4 महीने दिल्ली की सरकार चलाऊंगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल जी पर कीचड़ उछालने में भाजपा ने कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी है। ऐसे में अरविंद केजरीवाल का कहना है कि जब तक दिल्ली वाले उनकी ईमानदारी साबित नहीं कर देते, तब तक वो सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे और इसी के साथ उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के लोग ही दोबारा अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिराजमान करेंगे।

केजरीवाल ने जेल से रिहा होते ही दिया था इस्तीफा

दिल्ली की कथित शराब नीति मामले में 13 सितंबर को जमानत पर रिहा होने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 21 सितंबर को आतिशी को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री घोषित कर दिया गया और सोमबार 23 सितंबर को उन्होंने सीएम का पदभार संभाल लिया है।

भाजपा ने बताया जनता का अपमान

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी पर निशाना साधा और कहा, कि उन्हें अपनी कुर्सी के बगल में खाली कुर्सी नहीं रखना चाहिए था। उन्होंने ऐसा करके मुख्यमंत्री पद की गरिमा और दिल्ली की जनता का अपमान किया है। दिल्ली भाजपा चीफ वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है, कि ऐसा करके आतिशी ने पद की गरिमा और दिल्ली की जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि यह आदर्श पालन नहीं, बल्कि चमचागीरी है। भाजपा के इस बयान के बाद दिल्ली की सियासत गर्मा गई है।

मेगास्टार चिरंजीवी गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सम्मानित

24000 डांस मूव के लिए मिला सम्मान

मुंबई ।

मेगास्टार चिरंजीवी का नाम दक्षिण और बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेताओं में शामिल हैं। उन्होंने अपने 45 साल के फिल्मी करियर में शानदार सुपरहिट फिल्में देकर फैंस का दिल जीता है। अब हाल ही में मेगास्टार ने एक बड़ी अचीवमेंट हासिल की है। चिरंजीवी कोनिडेला का नाम गिनीज बुक में दर्ज हो चुका है। 22 सितंबर को अभिनेता को सम्मान 45 साल में अपनी 156 फिल्मों के 537 गानों में 24000 डांस मूव करने के लिए मिला। चिरंजीवी को यह सम्मान बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान के हाथों दिया गया। चिरंजीवी को मिले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सर्टिफिकेट पर लिखा है, इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में सबसे सक्सेसफुल अभिनेता /डांसर चिरंजीवी उर्फ मेगा स्टार। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देकर चिरंजीवी ने कहा कि उन्होंने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से इस तरह की मान्यता की कभी उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से लोग उनके डांस के दीवाने हैं, ये उनके फिल्मी करियर और जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन गया है। वहीं, आमिर खान ने कहा कि ये मंच शेयर करना उनके लिए सम्मान की बात है और वे खुद को चिरंजीवी का बहुत बड़ा फैन मानते हैं, उन्हें अपने बड़े भाई के रूप में सम्मान देता हैं। चिरंजीवी का डांस दिखाता है कि वे दिल खोलकर डांस करते हैं और जी-जान लगा देते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पोस्ट में चिरंजीवी को बधाई देकर कहा कि यह तेलुगु लोगों के लिए गर्व की बात है। अब भारतीय सिनेमा के इतिहास में 22 सितंबर की तारीख स्वर्ण अक्षरों में लिखी जाएगी। 22 सितंबर इसकारण खास है क्योंकि इस दिन साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी ने 1978 में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

चुनाव से पहले सरकार को किसानों का अल्टीमेटम....अनदेखी नहीं भूलेगा किसान

गुरुग्राम ।

किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के आह्वान पर पिपली अनाज मंडी में आयोजित किसान महापंचायत में पहुंचे किसान नेताओं ने सरकार पर उनकी अनदेखी का आरोप लगाया हैं। किसान नेताओं ने मंच से स्पष्ट किया कि इस अनदेखी को किसान कभी नहीं भूलेगा।

इसके विरोध में तीन अक्टूबर को हरियाणा में किसान दो घंटे रेलवे ट्रैक रोक कर रोष जताएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के अध्यक्ष श्रवण सिंह पंधेर ने कहा कि किसानों द्वारा मांगों को लेकर आंदोलन के दौरान सरकार ने किसानों पर अत्याचार किए। किसान इसका बदला जरूर लेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों को चेताया कि किसान भविष्य में एक होकर मजबूत लड़ाई लड़ने को तैयार है। उन्होंने कहा कि जब तक एमएसपी पर गारंटी कानून, किसानों का कर्जा और किसानों को इंसाफ नहीं मिलेगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चले आंदोलन को 223 दिन हो गए हैं। मोर्चे ने निर्णय लिया था कि प्रदेश के चुनाव होने से पहले दो बड़ी किसान महापंचायत की जाएगी। एक पंचायत पहले हो चुकी है और दूसरी पिपली अनाजमंडी में हुई है।

वहीं किसान मजदूर मोर्चा के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि सरकारों को किसानों की अनदेखी का हिसाब देना होगा। किसान अब ऐसी नीति बनाएंगे कि कोई भी राजनीतिक दल उनकी ओर आंख उठाकर नहीं देखेगा। उन्होंने कहा कि देश की सत्ता का रास्ता गांवों की गलियों से होकर गुजरता है।

महापंचायत में ये लोग रहे मौजूद

किसान महापंचायत को शहीद भगत सिंह किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत मोहड़ी, राजस्थान के किसान नेता रणजीत राजू, किसान मजदूर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उमेद सिंह फोगाट, किसान नेता जसविंद्र सिंह लोगोंवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर शहीद भगत किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव संजीव आलमपुर, किसान नेता नवदीप सिंह, बीबी हरजिंद्र कौर, किसान नेता राजेंद्र सिंह चौसाला मौजूद रहे।

ईवी उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने की तैयारी...... पीएम ई-ड्राइव योजना लागू

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कैबिनेट की ओर से देश में इलेक्ट्रिक वाहनों का चलन बढ़ाने के लिए मंजूर की गई पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना में लोकल स्तर पर ईवी उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने का प्रोग्राम होगा। पीएम ई-ड्राइव योजना फेम स्कीम की जगह लेगी। इस योजना के लिए मोदी सरकार ने 10,900 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत देश में ईवी उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए चरणबद्ध मैन्युफैक्चरिंग कार्यक्रम (पीएमपी) लागू होगा। योजना के तहत, ईवी निर्माता, जो स्थानीय स्तर पर उपकरणों को सोर्स करते हैं, उन्हें घरेलू मूल्य संवर्धन आवश्यकता के बिना वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। सब्सिडी पाने के लिए लोकल स्तर पर ईवी उपकरणों के पार्ट्स की असेंबली करनी होगी। हालांकि, आपूर्तिकर्ता पार्ट्स का आयात कर सकते हैं। इसके तहत सब्सिडी पाने के लिए कंपनियों को योजना की अधिसूचना जारी होने के छह माह के अंदर पीएमपी के नियमों का अनुपालन करना होगा। सब्सिडी पाने वाली कंपनियों को यह पुख्ता करना होगा कि ईवी उपकरण भारत में ही बने। रिपोर्ट में बताया गया कि 2025-26 में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए वित्तीय सहायता को कम कर 5,000 रुपये प्रति वाहन और तिपहिया वाहनों के लिए सब्सिडी घटाकर 25,000 रुपये प्रति वाहन कर दी जाएगी। रिपोर्ट में एक अन्य अधिकारी की ओर से बताया गया कि ईवी उपकरणों की आपूर्ति करने वाली कंपनी की मैन्युफैक्चरिंग सुविधा को वर्ष में दो बार इंस्पेक्शन किया जाएगा, जिससे सब्सिडी का गलत उपयोग न हो।

बुलडोजर से गलत कार्रवाई पर दोषी अधिकारियों से होगी नुकसानी की वसूली

सुप्रीम कोर्ट को भेजे वकीलों ने सुझाव

नई दिल्ली ।

बुलडोजर द्वारा त्वरित न्याय करने के मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन जारी करने की बात कही थी। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव भी मांगे थे। 1 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने वाली है। इसके पहले कई महत्वपूर्ण सुझाव सुप्रीम कोर्ट को भेजे गए हैं। बिना कानूनी प्रक्रिया के बुलडोजर की कार्रवाई को गैरकानूनी घोषित किया जाना। इस तरह की करवाई जिस अधिकारी के निर्देश पर हुई है। उसको जवाबदेह बनाना और उनसे नुकसानी की वसूली करने के प्रावधान से अवैध कार्रवाई को रोका जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट को जो सुझाव भेजे गए हैं उनमें अवैध निर्माण को गिराए जाने के पहले किराएदार या मकान मालिक को वेध तरीके से नोटिस सर्विस करने का सुझाव दिया गया है। नोटिस सर्विस के लिए पुख्ता सबूत और गवाह की आवश्यकता को भी जरूरी हो। नोटिस का जवाब देने के लिए न्यूनतम एक माह का समय दिए जाने का सुझाव दिया गया है। प्राधिकरण अथवा नगरी निकाय संबंधित पक्ष के सभी दस्तावेजों की गंभीरता के साथ जांच करें। दस्तावेजों का उल्लेख फाइल में जाँचकर्ता अधिकारी करें। बुलडोजर से किसी भी संपत्ति को गिराए जाने के पूर्व उसकी कानूनी स्थिति को लेकर भेदभावपूर्ण कार्यवाही नहीं होना। यह जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की सुनिश्चित की जाए। जिस आधार पर बुलडोजर से संपत्ति गिराई जा रही है। उसके आसपास और कोई ऐसी संपत्ति तो नहीं है। जिसका वही आधार बनता हो। न्यायालय के अवकाश के दिन बुलडोजर की कार्यवाही को बंद रखे जाने का नियम हो। बिल्डिंग बायलाज के हिसाब से यदि निर्माण अवैध है, या नियमों का कुछ हद तक उल्लंघन हुआ है। ऐसी स्थिति में नियम के विपरीत जो निर्माण किया गया है। उसी हिस्से को तोड़ने का प्रावधान हो। 1 महीने की समयावधि खत्म होने के बाद उस संपत्ति पर रहने वाले लोगों को सामान बाहर निकालने के लिए पर्याप्त समय देने का प्रावधान होना चाहिए।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी का ऐलान.......जितने भी तेल और घी बिक रहे उनकी जांच हो

अयोध्या ।

पूरे देश में तिरुपति बालाजी के प्रसाद में मिले मांस और चर्बी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। एक ओर जहां साधु संत नाराज हैं, वहीं दूसरी ओर इसकी जांच की मांग हो रही है। अब अयोध्या के राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बड़ा ऐलान कर दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि देश में जितने भी तेल और घी बिक रहे हैं, उन सभी की जांच होनी चाहिए। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य दास ने कहा, हमारे मठ मंदिरों को अपवित्र किया जा रहा है। हम देश के सभी मठ मंदिरों से अपील कर रहे हैं कि मठ मंदिरों में जो भी भोग लगाया जाए, वह मठ मंदिर के कर्मचारियों से ही प्रसाद को तैयार कराएं। उसके बाद भोग लगाए। इतना ही नहीं बाजार में जितने भी तेल और घी बिक रहे हैं, उन सभी की जांच होनी चाहिए। इन सभी चीजों में मिलावट है। इसकी जांच होने पर ही पता चलेगा शुद्ध क्या है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में जितने भी मठ मंदिर हैं, उस मठ मंदिर में जो भी प्रसाद बाहर से आता है या फिर जो भी एजेंसी यह बनाती है। इस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। जितने भी प्रसिद्ध मंदिर हैं वह अपने ही व्यवस्था से प्रसाद बनवाएं और उसका भोग लगाएं। आचार्य दास ने कहा

कि हमारे सनातन धर्म पर कुठाराघात करने का अंतरराष्ट्रीय प्रयास किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में देश में जो भी प्रसिद्ध मंदिर है, वह अपने कर्मचारियों से ही प्रसाद बनाएं और भोग लगाएं।

2024 में मोदी.......इसलिए हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार : खट्टर

करनाल ।

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भाजपा प्रत्याशी राम कुमार कश्यप के समर्थन में चुनाव प्रचार किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि, भाजपा तीसरी बार हरियाणा में सरकार बना रही है और कांग्रेस सरकार बनाने के नजदीक भी नहीं है। उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कि भाजपा बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली है। केंद्रीय मंत्री खटटर ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि हरियाणा में भाजपा को 49 से 50 सीट मिल रही है। लेकिन, मैं आपको बता दूं कि हरियाणा में भाजपा की 60 से 62 सीट आ रही है।

हरियाणा के पूर्व सीएम ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वे अपनी पहुंच बढ़ाएं। उन्होंने कहा, भाजपा के सभी कार्यकर्ता एक-एक मतदाता तक पहुंचे और भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील करें। इस बार हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने के साथ ही रिकॉर्ड भी बनना चाहिए। कार्यकर्ताओं से खटटर ने कहा, साल 2004 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनी। साल 2009 में केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनी।

साल 2014 और 2019 में केंद्र में भाजपा की सरकार बनी, तब हरियाणा में भाजपा की सरकार बनी। साल 2024 में केंद्र में मोदी सरकार बनी है। इस बार तीसरी बार हरियाणा में भी भाजपा की सरकार बनेगी। केंद्रीय मंत्री खटटर ने पोस्ट पर हरियाणावासियों से वोट अपील की। केंद्रीय मंत्री लाल ने लिखा, इंद्री विधानसभा क्षेत्र के अपने परिवारजनों को संबोधित किया और भाजपा प्रत्याशी कश्यप के समर्थन में वोट देने की अपील की। यहां के लोगों का जोश और उत्साह देखकर अभिभूत हूं और आश्वस्त हूं की वे दूसरी बार यहां से कमल खिलाकर राम कुमार कश्यप को भारी मतों से जिताने जा रहे हैं। बता दें कि 5 अक्टूबर को हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर मतदान होगा है। 8 अक्टूबर को परिणाम घोषित किया जाएगा।

एनकाउंटर पर हो रही सियासत के बीच यूपी पुलिस ने रखे जातिगत आंकड़े

लखनऊ।

सुल्तानपुर डकैती के बाद अपराधियों के हुए एनकाउंटर पर खूब राजनीति हो रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगेश यादव के एनकाउंटर को लेकर राज्य की योगी सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने एसटीएफ को स्पेशल ठाकुर फोर्स तक कह दिया।

वहीं दूसरी तरफ यूपी पुलिस ने इस लूटकांड से जुड़े सीसीटीवी फुटेज भी जारी किए, जिससे अखिलेश यादव के आरोपों पर सफाई देने की कोशिश की गई। इसके अलावा, एनकाउंटर के आंकड़े भी जारी किए गए, जिनमें बताया गया कि अब तक 208 एनकाउंटर में अपराधियों की मौत हुई है, जिसमें विभिन्न जातियों के अपराधी शामिल हैं। इसमें 67 मुस्लिम, 20 ब्राह्मण, 18 ठाकुर और 16 यादव जाति के अपराधी ढेर हुए हैं। मार्च 2017 से अब तक यूपी एसटीएफ ने 50 से अधिक माफिया और शातिर अपराधियों को मुठभेड़ में मारा है, और 7000 से ज्यादा इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही, एसटीएफ ने सैकड़ों साइबर अपराधियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली करने वालों को भी गिरफ्तार किया है, जिससे योगी सरकार की कानून व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिशें स्पष्ट होती हैं। वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव इन एनकाउंटर्स पर सवाल उठा रहे हैं। अखिलेश यादव ने एसटीएफ द्वारा यादव जाति के अपराधियों के एनकाउंटर पर जातिवादी पक्षपात का आरोप लगाया, खासकर मंगेश यादव के एनकाउंटर के बाद। उन्होंने एसटीएफ को स्पेशल ठाकुर फोर्स कहा, जिससे विवाद और बढ़ गया। हालांकि, यूपी एटीएस ने लूटकांड के तीसरे आरोपी अनुज प्रताप सिंह का भी एनकाउंटर कर दिया, जिससे योगी सरकार ने अखिलेश यादव के आरोपों को गलत साबित करने की कोशिश की।

संक्षिप्त समाचार

पुणे एयरपोर्ट का बदलेगा नाम, तुकाराम महाराज के नाम से होगी पहचान

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार ने पुणे के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बदलकर जगद्गुरु संत तुकाराम महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह कदम 17वीं सदी के पूज्य संत तुकाराम महाराज को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से उठाया गया है, जो भक्ति आंदोलन और अपनी भक्ति कविताओं के लिए प्रसिद्ध हैं। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पहले ही पुणे हवाई अड्डे का नाम बदलने की सिफारिश की थी और केंद्र से मंजूरी लेने की बात कही थी। राज्य के नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने इस फैसले की घोषणा की। उन्होंने बताया कि संत तुकाराम महाराज का जन्म और बचपन पुणे के लोहगांव में हुआ था, जहां यह हवाई अड्डा स्थित है, इसलिए यह नामकरण क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। इस नाम परिवर्तन के पीछे वारकरी समाज और स्थानीय निवासियों की भावनाओं का भी समर्थन है। तुकाराम महाराज ने वारकरी संप्रदाय के माध्यम से भागवत धर्म के प्रचार में अहम भूमिका निभाई थी, जिसे समाज आज भी सम्मान की दृष्टि से देखता है।

चीफ जस्टिस के खिलाफ दायर याचिका खारिज

-इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- याचिका परेशान करने के लिए की गई

प्रयागराज। गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंततः खारिज कर दिया। कोर्ट ने माना कि याचिका गैर-जिम्मेदाराना और परेशान करने की गलत धारणा वाली थी। गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यह गलत धारणा वाली याचिका थी। गौरतलब है कि सुनीता अग्रवाल इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रही हैं, जो इस समय गुजरात हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस हैं। यहां इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस सुरेंद्र सिंह-द्ब की युगल पीठ ने याचिका को तुच्छ, परेशान करने वाली, गैर-जिम्मेदाराना और गलत धारणा से परिपूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने कहा, कि अदालत के समुचित कामकाज के हित में ऐसे तमाम आवेदनों को हर तरह से हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

25 के बाद दिल्ली में फिर शुरु होगा बारिश का दौर

नई दिल्ली । सितंबर के महीने में दिल्ली में जमकर बादल बरसे और बारिश ने अपना तय आंकड़ा पार कर लिया है। लेकिन वीकेंड से फिर धूप, गर्मी और उमस का मौसम दिखाई दिया। दरअसल, मौसम विभाग ने दो दिन बाद 25 सितंबर से एक बार फिर बारिश का अनुमान जताया हैं। हालांकि, ये बारिश हल्की होगी लेकिन तेज हवाओं के साथ फिर मौसम बदल सकता है। बता दें कि बारिश की रफ्तार थमने के बाद से दिल्ली का तापमान एक बार फिर बढ़ रहा है। मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी के मुताबिक, दिल्ली में सितंबर के महीने में पहले ही सामान्य से अधिक बारिश हो चुकी है। सफदरजंग बेस स्टेशन पर 183 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि सामान्य 123.4 मिमी होती है। अब 2 दिनों में दिल्ली-एनसीआर में बारिश होने की संभावना नहीं है। हालांकि, जल्दी ही बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक और मॉनसून प्रणाली बनने की संभावना है। इस मौसम प्रणाली के देश के मध्य भागों से गुजरने के बाद दिल्ली और आस-पास के इलाकों में 25 सितंबर के बाद किसी भी समय मॉनसून गतिविधि फिर से शुरू हो सकती है।

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान झज्जर के लिए 11 अतिरिक्त पद सृजित

नई दिल्ली । दिल्ली एम्स ने हरियाणा के झज्जर स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) के लिए सहायक प्रोफेसरों के 11 अतिरिक्त पद सृजित किए हैं। इसमें 5 पैथोलॉजी व माइक्रोबायोलॉजी के सहायक प्रोफेसरों के पद शामिल हैं। इन डॉक्टरों की नियुक्ति होने से एनसीआर में कैंसर मरीजों की जांच की सुविधा बेहतर होगी। इसके साथ ही पैलिएटिव केयर के डॉक्टरों की संख्या भी बढ़ेगी। इसके बाद पैलिएटिव केयर की सुविधा भी बढ़ेगी। मौजूदा समय में एनसीआई डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है।जिससे मरीजों को परेशानी हो रही है। पैथोलॉजी व माइक्रोबायोलॉजी के डॉक्टरों की कमी ज्यादा है। इस कारण एनसीआई से मरीजों के सैंपल जांच के लिए दिल्ली एम्स में लाने पड़ते हैं। इससे जांच में देरी होती है। डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए एम्स प्रशासन ने डॉक्टरों के नए पद सृजित किए हैं। जिसमें पैथोलॉजी विभाग के तीन व माइक्रोबायोलॉजी विभाग के दो सहायक प्रोफेसरों के पद शामिल हैं। इसके अलावा पैलिएटिव केयर के तीन, प्रिवेंटिव आंकोलाजी के एक, फिजिकल मेडिकल रेहैबिलिटेशन व बायोस्टेटिस्टि के एक पद शामिल है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किम के पास ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त करने की साजिश में रेलवे पेट्रोलिंग पार्टी के तीन सदस्यों की गिरफ्तारी

अवॉर्ड, प्रसिद्धि, और नाइट ड्यूटी के लिए हज़ारों लोगों की जान खतरे में डाली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के ओलपाड़ तालुका में किम के पास रेलवे ट्रैक पर ७१ पैडलॉक और दो फिशप्लेट्स निकालकर ट्रेन पटरी से उतारने की साजिश में सूरत ग्रामीण पुलिस ने कुछ ही घंटों में साजिश का पर्दाफाश करते हुए रेलवे के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों आरोपी रेलवे ट्रैक की निगरानी करने वाली पेट्रोलिंग पार्टी के सदस्य हैं। मुख्य साजिशकर्ता सुबोध पोद्दार द्वारा इस पूरी योजना का खुलासा हुआ है। यह सामने आया है कि सतर्कता के लिए अवॉर्ड और प्रसिद्धि पाने के लिए, और मानसून की नाइट ड्यूटी बंद होने से पहले अगली सुबह की छुट्टी मिलती रहे, हज़ारों लोगों की जान को जोखिम में डाला गया।

सूरत जिला पुलिस अधीक्षक हितेश जॉयशर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि किम के पास रेलवे ट्रैक से पैडलॉक और फिशप्लेट्स निकालकर ट्रेन पटरी से उतारने की साजिश में तीन कर्मचारी सुबोध किशदेव पोद्दार (उम्र-३९), मनीषकुमार सूर्यदेव मिस्त्री (उम्र-२८), और शुभम जयप्रकाश जयसवाल (उम्र-२६) को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों का संबंध रेलवे की पेट्रोलिंग पार्टी से है और वे ट्रैक की निगरानी कर रहे थे।

२१ सितंबर की सुबह रेलवे ट्रैक का निरीक्षण कर रहे वडोदरा डिवीजन के जूनियर इंजीनियर संकल्प संतोष कंसारा को रात की पेट्रोलिंग कर रहे सुबोध पोद्दार ने सूचना दी थी कि किम के पास रेलवे ट्रैक से पैडलॉक और फिशप्लेट्स निकालकर साजिश की जा रही है। इसके तुरंत बाद सूरत ग्रामीण पुलिस और रेलवे पुलिस को सूचित किया गया। एटीएस और एनआईए की टीम ने डॉग स्क्वॉड के साथ जांच शुरू की।

जांच के दौरान यह पाया गया कि इतनी बड़ी संख्या में पैडलॉक और फिशप्लेट्स निकालने का काम कोई विशेषज्ञ ही कर सकता था, और इसमें समय भी लगता। इस कारण रेलवे के कर्मचारियों पर शक हुआ। पुलिस ने मनीषकुमार मिस्त्री का मोबाइल जब्त किया, और उसमें से डिलीट किया गया डेटा रिकवर करने पर रात २ से ३ बजे के बीच फिशप्लेट निकालते हुए फोटो मिले, जिन्हें उसने बाद में डिलीट कर दिया था। इससे अपराध का पर्दाफाश हो गया।

नवरात्रि के लिए सूरत पुलिस का आदेश: रात १२ बजे तक ही स्पीकर की अनुमति

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पुलिस का आदेश देर रात महिलाओं को विशेष रूप से हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करके सहायता मांगने पर पुलिस उनकी मदद करेगी।

नवरात्रि के आयोजन को लेकर

इन नियमों का भी करना होगा पालन

राज्य में नवरात्रि के त्योहार को लेकर सूरत पुलिस ने एक आदेश जारी किया है। स्पेशल ब्रांच के डीसीपी ने बताया कि शहर में पार्टी प्लॉट और सोसायटियों में रात १२ बजे तक ही स्पीकर बजाने की अनुमति दी गई है। इस दौरान महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'शी-टीम' तैनात की जाएगी। इस साल ड्रोन और घुड़सवार पुलिस के जरिए भी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

नवरात्रि में पुलिस सुरक्षा

उन्होंने कहा कि 'राजकोट की घटना को ध्यान में रखते हुए गरबा के आयोजन के लिए सबसे पहले आयोजकों को अनुमति लेनी होगी। जांच के बाद ही अनुमति दी जाएगी। इस साल १३ आयोजकों ने इसके लिए आवेदन किया है। इसके अलावा बाइक से पेट्रोलिंग, बॉडी कैमरे के साथ पुलिस की तैनाती, महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'शी टीम' और एक विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाएगा।'

इन नियमों का भी करना होगा पालन

क्राइम ब्रांच के डीसीपी ने कहा, 'नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजकों को लाइसेंस ब्रांच के नियमों और शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही उन्हें बीमा भी लेना अनिवार्य होगा। साथ ही सीसीटीवी कैमरे, डॉक्टर, इमरजेंसी सेवा की व्यवस्था करनी होगी। इसके अलावा फूड स्टॉल लगाने वालों को फूड इंस्पेक्टर की अनुमति लेना भी आवश्यक होगा।'

शादीशुदा प्रेमिका द्वारा ब्लैकमेल करने पर सलाबतपुरा के युवक ने की आत्महत्या

"अगर तुमने मुझे छोड़ दिया, तो मैं कुछ कर लूंगी"

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अवैध संबंध का दुखद अंत: शादी से पहले प्रेमी-प्रेमिका पांच साल पहले फिर से एक-दूसरे के संपर्क में आए, जिसके बाद परिवार को इसकी जानकारी हुई।

सूरत के कोट इलाके के सलाबतपुरा में मानदरवाजा के पास रविवार रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि शादीशुदा युवक को उसकी शादीशुदा प्रेमिका ब्लैकमेल कर रही थी, जिससे तनाव में आकर उसने यह कदम उठाया। सिविल अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, सलाबतपुरा में मानदरवाजा के पास हलपतिवास में रहने वाला ३४ वर्षीय अज़ीज़ लतीफ़ शेख ने रविवार रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके परिवार के सदस्यों ने उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अज़ीज़ के रिश्तेदार ने बताया कि उसकी शादी से पहले उसका एक लड़की से प्रेम संबंध था। बाद में, कई सालों बाद, दोनों की अलग-अलग जगहों पर शादी हो गई थी। पांच साल पहले, अज़ीज़ और उसकी प्रेमिका फिर से संपर्क में आए। कुछ दिनों पहले अज़ीज़ की पत्नी को उनके प्रेम संबंध के बारे में पता चल गया था, जिसके कारण अज़ीज़ का परिवार के सदस्यों से झगड़ा होता रहता था। रिश्तेदार ने आगे बताया कि अज़ीज़ की प्रेमिका उसे बार-बार फोन करके धमकी देती थी कि च्अगर तुमने मुझे छोड़ दिया, तो मैं कुछ कर लूंगी।ज्ञ इस कारण अज़ीज़ तनाव में आ गया और उसने यह कदम उठाया।

गौरतलब है कि अज़ीज़ के परिवार में उसकी मां-पिता, पत्नी और एक बेटी हैं। पहले वह शर्ट बेचने का काम करता था और वर्तमान में मार्केट में पार्सल उठाने का काम कर परिवार का खर्च चलाता था। इस मामले में सलाबतपुरा पुलिस आगे की जांच कर रही है।

अनिश्चय है प्राणी का जीवनकाल : युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष ये चार कर्म चतुष्टय हैं. आदमी को अपने अपने जीवन में धार्मिक पुरुषार्थ करने का प्रयास करना चाहिए. गृहस्थ आदमी अपने जीवन में ईमानदारी को रखने का प्रयास करे. जहां तक संभव हो सके, जहां भी रहे, जो कुछ भी करे, उसे ईमानदारी रखने का प्रयास करना चाहिए. ईमानदारी के लिए आदमी को झूठ नहीं बोलना चाहिए और चोरी करने से भी बचने का प्रयास करना चाहिए. ईमानदारी की रक्षा भी करने का प्रयास करना चाहिए. अच्छा जीवन जीने के आदमी को ईमानदारी, सच्चाई के मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए. जीवन में अहिंसा, ईमानदारी, सादगी, सच्चाई रहे व धर्मोपासना आदि हो तो मानव जीवन का कल्याण हो सकता है.

उक्त पावन पाथेय जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अनुशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने सोमवार को महावीर समवसरण में उपस्थित श्रद्धालु जनता को प्रदान की.

मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ प्रचेता कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस संदर्भ में इस परियोजना की निदेशक श्रीमती पुष्पा बैंगाणी ने अपनी भावाभिव्यक्तिदी. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने पावन आशीर्वाद प्रदान किया.

आचार्यश्री की अनुज्ञा से नोखामण्डी में साध्वी राजीमतीजी द्वारा गत दिनों दी गई दीक्षा के संदर्भ में नोखामण्डी तेरापंथ महिला मण्डल ने गीत का संगान किया. तेरापंथी सभा के अध्यक्ष श्री शुभकरण चोरड़िया ने अपनी भावाभिव्यक्तिदी. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने सभी को पावन आशीर्वाद प्रदान किया. तेरापंथ युवक परिषद-अहमदाबाद ने अपनी गीत को प्रस्तुति दी. श्री तनसुख बैद ने स्वरचित कृति 'कल्याण मंदिर' आचार्यश्री के समक्ष लोकार्पित की.

रुचि के आधार पर ही अपना वर्तमान होता है तय : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने सोमवार २३ सितंबर को प्रवचन में कहा कि परमात्मा ने कहा है कि सदा- सदा अपने आंखों के सामने मृत्यू को देखों. मौत कभी भी बिना सूचना की नहीं आती, लेकिन हम सूचना का अनादर कर देते है. आंखों से दिखाई नहीं दे, कानों से सुनाई नहीं दे, घुंटने से चला नहीं जाएं, स्मृति कमजोर हो जाए यह सब सूचना तो है. मृत्यू कब हो इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए. मृत्यू से डरना नहीं, बल्कि चिंतन करके मृत्यू को सार्थक करना है. मृत्यू महत्वपूर्ण और संवेदनशील है. आचार्यश्री ने कहा कि मृत्यू के पहले भी और बाद में भी जीवन है. मृत्यू तय करती है कि आपका जीवन कैसा था और कैसा होगा. अपने वर्तमान को संभालना है. सकृत के पीछे जो भाव लगे है, उन भावों की अनुमोदना और परमात्मा से प्रार्थना करें कि ऐसा भाव मुझे हर भव में मिले. रुचि शब्द की महत्ता बताते हुए आचार्यश्री ने कहा कि रुचि शब्द बहुत महत्वपूर्ण है. रुचि यानि रस. जैसे मिठाई में रस कैसा होता है, इसके आधार पर ही मिठाई प्रशंसनीय बनती है. कर्म चार प्रकार से बंधता है. प्रकृति बंध, स्थिति बंध, रस बंध और प्रदेश बंध. रुचि के आधार पर ही आपका वर्तमान तय होता है. रुचि के आधार पर ही समाधि मरण का पता चलता है. जीवन में आत्मरस होना जरूरी है. चरित्र, संयम लेना जिंदगी भर की तपश्चर्या है. अपने जीवन में कर्तव्यों का स्मरण करो, जीवन को व्यर्थ गंवाने का भाव जीवन में मत लाओ. जीवन आत्मा और आत्म रस के लिए है. रुचि अगर संसार में है, तो संक्लेश मरण और रुचि अगर आत्मा है तो समाधि मरण तय है. श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल द्वारा आए हुए मेहमानों का बहुमान किया गया.

रंगारंग रंगोली एवं तुलसी पोट डेकोरेशन का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव में सोमवार को रंगारंग रंगोली और तुलसी पोट डेकोरेशन प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में किया गया. महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि दोपहर २-३० बजे से आयोजित दोनों ही प्रतियोगिताओं में प्रतियोगियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. सभी प्रतियोगियों द्वारा बहुत ही सुंदर रंगोली और तुलसी के गमले सजाए किए गए. इस मौके पर उपस्थित महिलाओं के लिए अनेकों सरप्राइज गिफ्ट भी रखे गये थे. आयोजन में महिला शाखा की शालिनी चौधरी, सत्यभामा अग्रवाल, निशा केडिया, सुशीला जैन, प्राची जैन, नेहा अग्रवाल, मोनिका गर्ग, नीतू गर्ग, मीनू पोद्दार सहित महिला शाखा के अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं.